राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 28 फरवरी 2026

वर्ष 14,अंक 308, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

मोहनलालगंजः PWD की सुस्ती से 'सफर' बना 'आफत', सिसेंडी-भागू खेड़ा मार्ग एक साल से बदहाल

बलिया में STF-पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 471 पेटी अवैध शराब बरामद; तीन तस्कर गिरफ्तार

झूठी शिकायतों और फर्जी मुकदमों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

» लगाम लगाने की मांग पर केंद्र और राज्यों को नोटिस, आपराधिक प्रक्रिया के दुरुपयोग पर जताई सख्ती

» यह जनहित याचिका अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर की गई है। उन्होंने स्वयं अदालत में अपने पक्ष की पैरवी करते हुए कहा कि फर्जी मुकदमों के कारण ईमानदार लोग भय के माहौल में जी रहे हैं और न्याय व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

नई दिल्ली। झूठी शिकायतों और फर्जी आपराधिक मुकदमों के बढ़ते मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। अदालत ने कहा कि आपराधिक कानूनों का दुरुपयोग न्याय व्यवस्था पर भारी बोझ डाल रहा है और इससे निर्दोष लोगों को बेवजह मुकदमों का सामना करना पड़ता है।

चीफ जस्टिस सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका अधिवक्ता और भाजपा नेता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने अदालत से फर्जी शिकायतों, झूठी गवाही और मनगढ़ंत सबूतों पर रोक लगाने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है।

कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि कई मामलों में जिस व्यक्ति को शिकायतकर्ता दिखाया जाता है, उसे यह तक पता नहीं होता कि उसके नाम से शिकायत दर्ज कर दी गई है। अदालत ने कहा कि प्रभावशाली लोग फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए गरीब और कमजोर लोगों का शोषण करते हैं, जो बेहद चिंताजनक है।

अदालत ने यह भी कहा कि कई लोग कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर शिकायत दर्ज कराते हैं और बाद में मुकदमे को आगे नहीं बढ़ाते, जिससे न्यायिक व्यवस्था पर अनावश्यक दबाव बढ़ता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आपराधिक कानूनों के दुरुपयोग को रोकना जरूरी है और इस दिशा में उठाए गए कदमों की आलोचना की परवाह नहीं की जाएगी।

सिविल विवादों को बनाया जाता है आपराधिक मामला

याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि कई बार साधारण सिविल विवादों को भी आपराधिक मामलों का रूप दे दिया जाता है। खासकर जमीन और संपत्ति विवादों में गंभीर धाराओं का इस्तेमाल किया जाता है। गांवों में जमीन के झगड़े को कई बार गंभीर कानूनों के तहत दर्ज करा दिया जाता है या महिलाओं के नाम पर छेड़छाड़ और दुष्कर्म जैसे आरोप लगा दिए जाते हैं।

याचिका में कहा गया है कि ऐसे मामलों के कारण निर्दोष लोगों को वर्षों तक अदालतों के चक्कर लगाने पड़ते हैं और उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी प्रभावित होती है। साथ ही अदालतों में लंबित मामलों की संख्या भी बढ़ती जा रही है।

जागरूक समाज की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समाज में कानूनी जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। लोगों को अपने अधिकारों के साथ-साथ दूसरों के मौलिक अधिकारों के प्रति भी संवेदनशील होना चाहिए। अदालत ने कहा कि एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए भाईचारे और जिम्मेदारी की भावना का होना जरूरी है।

पीठ ने एक हालिया मामले का उदाहरण भी दिया, जिसमें एक महिला ने अदालत में उपस्थित होकर बताया कि एक राजनीतिक नेता के खिलाफ उसके नाम से फर्जी शिकायत दर्ज की गई थी, जबकि उसका उस मामले से कोई संबंध नहीं था। अदालत ने कहा कि यह स्थिति बेहद गंभीर है और ऐसे मामलों पर ठोस उपाय किए जाने चाहिए।

याचिका में सुझाए गए प्रमुख उपाय

याचिकाकर्ता ने अदालत के समक्ष कई सुझाव रखे हैं, जिनमें शामिल हैं -

1. **सूचना बोर्ड लगाने की मांग:** पुलिस थानों, अदालतों और पंचायत कार्यालयों में सूचना बोर्ड लगाए जाएं, जिनमें झूठी शिकायत दर्ज कराने पर होने वाली सजा का स्पष्ट उल्लेख हो।

2. **अनिवार्य शपथ पत्र:** शिकायत दर्ज करते समय शिकायतकर्ता से आरोपों की सत्यता का शपथ पत्र लिया जाए, ताकि झूठी शिकायतों पर रोक लग सके।

3. **फर्जी गवाही पर सख्ती:** झूठी गवाही और फर्जी सबूतों से जुड़े कानूनों को सख्ती से लागू किया जाए और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई हो।

4. **प्रारंभिक जांच की व्यवस्था:** गंभीर मामलों में एफआईआर दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच की व्यवस्था मजबूत की जाए, ताकि झूठे मामलों को शुरुआती स्तर पर ही रोका जा सके।

5. **जिम्मेदारी तय करने की मांग:** फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वालों के साथ-साथ झूठे

याचिकाकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय

मामलों में सहयोग करने वालों की भी जिम्मेदारी तय की जाए।

6. **डिजिटल सत्यापन प्रणाली:** शिकायत दर्ज करते समय पहचान और हस्ताक्षर का डिजिटल सत्यापन अनिवार्य किया जाए, ताकि किसी के नाम से फर्जी शिकायत दर्ज न हो सके।

सरकारों से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्य सरकारों से इन सुझावों पर विस्तृत जवाब मांगा है। अदालत ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली का दुरुपयोग रोकने के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करना जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। अदालत के इस कदम को न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

BSP MLA और करीबियों के घर से 10 करोड़ कैश बरामद, ऑफिस और अन्य जगहों पर कार्रवाई जारी

ब्यूरो प्रयागराज। राजधानी लखनऊ में बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह और उनके करीबियों के घर पर बुधवार से जारी आयकर टीम का छापा गुरुवार को समाप्त हो गया। उनके घर से 10 करोड़ की नकदी बरामद हुई है। अभी उनके ऑफिस और अन्य स्थानों पर कार्रवाई जारी है। विपुलखंड स्थित उनके आवास पर कार्रवाई पूरी हो गई है। बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट से एकमात्र बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों पर बुधवार को आयकर विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। लखनऊ, बलिया, सोनभद्र, कौशांबी, मिर्जापुर और प्रयागराज में 30 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापे मारे गए। 50 से ज्यादा अधिकारियों की टीमें सुबह 11 बजे से देर रात तक जांच में जुटी रहीं।

आयकर विभाग की तीन टीमों ने लखनऊ के गोमतीनगर में विपुल खंड स्थित उमाशंकर सिंह के आवास, उनकी कंपनी छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के कॉरपोरेट ऑफिस और वजीर हसन रोड पर करीबी ठेकेदार फैजी के ठिकानों को खंगाला। इसके अलावा सोनभद्र में साईं राम इंटरप्राइजेज कंपनी के नाम से खनन का कारोबार करने वाले उमाशंकर सिंह के करीबी सीबी गुप्ता समेत कई खनन कारोबारियों के ठिकानों को खंगाला जा रहा है। आयकर विभाग ने सुबह 11 बजे सभी ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था, जिसके बाद टैक्स चोरी और बेनामी संपत्तियों से जुड़े अहम सुराग मिले हैं। उमाशंकर सिंह छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी और साईं राम इंटरप्राइजेज के नाम से सड़क और खनन से जुड़े कार्य करते हैं। बीते वर्ष सीएजी (कैग) ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि सोनभद्र में अवैध खनन कार्यों से करीब 60 करोड़ रुपये की राजस्व की हानि हुई थी। माना जा रहा है कि सीएजी की इस रिपोर्ट के बाद ही उमाशंकर सिंह और उनके करीबियों के ठिकानों को खंगाला गया है। आयकर छापे में सोनभद्र और मिर्जापुर में बीते कुछ वर्षों के दौरान हुए अवैध खनन से जुड़े अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं, जिसमें कई अधिकारियों के नाम और उनको दी जाने वाली रकम का जिक्र है। आयकर विभाग को शक है कि खनन कारोबार में कई ब्यूरोक्रेट्स की काली कमाई का निवेश किया गया है, जिसके सुराग जुटाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

बंद कमरे में विवाहिता का शव लटकता मिला,जांच में जुटी पुलिस

नैनी, प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र के काजीपुर मोहल्ले में गुरुवार दोपहर कमरे में एक विवाहिता का शव फंदे पर लटकता मिला। सूचना पाकर नैनी पुलिस एवं फारेंसिक टीम मौके पर पहुंची और वीडियोग्राफी के बीच शव को फंदे से नीचे उतारा गया। जिस कमरे में विवाहिता का शव लटक रहा था, वह कमरा खुला हुआ था। पुलिस मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार नैनी क्षेत्र के काजीपुर मोहल्ला निवासी श्याम बाबू पटेल के पुत्र शिव दर्शन पटेल की शादी बीते वर्ष 2023 में नबावगंज के मूसेपुर गांव निवासी मोती लाल की बेटी सविता पटेल (27) वर्षीय के साथ हुई थी। नैनी पुलिस के मुताबिक बृहस्पतिवार की दोपहर परिवार वालों ने सूचना दी, कि सविता कमरे के अंदर फंदे पर लटक रही है। सबसे पहले उसकी ननद ने उसे लटकते हुए देखा और उतारने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। लोग रोना- पीटना शुरू कर दिए। सूचना पाकर आस-पास के तमाम लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर पुलिस पहुंची, तो देखा कमरे का दरवाजा खुला हुआ था और सविता का शव फंदे से लटक रहा था। सूचना पाकर एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह और फारेंसिक टीम मौके पर पहुंची, जांच- पड़ताल करते हुए शव को फंदे से नीचे उतारा और विधिक कार्रवाई करते हुए पीएम के लिए भेज दिया। समाचार लिखे जाने तक मायके पक्ष के लोग नहीं पहुंचे थे।। फिलहाल पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

महिला आरक्षी लता भार्गव व उनके मासूम पुत्र की मौत पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिधौली (सीतापुर)। जनपद रामपुर में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में महिला आरक्षी लता भार्गव एवं उनके दो वर्षीय पुत्र लड्डू की असामयिक मृत्यु की खबर से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि थाना अटरिया क्षेत्र के ग्राम टेड़वा निवासी महिला आरक्षी लता भार्गव अपने परिवार के साथ नैनीताल से वापस लौट रही थीं, तभी रामपुर जनपद में उनका चार पहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की चपेट में आ गया। हादसे में मां-बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। इस दुःखद घटना की सूचना मिलते ही सिधौली स्थित स्वामी विवेकानंद सामाजिक सेवा संस्थान में शोक सभा का आयोजन किया गया।

संस्थान परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई तथा विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों ने पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। संस्थान के संस्थापक गुरुजी आर.डी. वर्मा ने बताया कि लता भार्गव संस्थान की प्रतिभाशाली छात्रा रही थीं। उनकी दो अन्य बहनें भी उत्तर प्रदेश पुलिस में सेवारत हैं और तीनों बहनों ने इसी संस्थान से तैयारी कर पुलिस सेवा में सफलता प्राप्त की थी। घटना की खबर से पूरे सिधौली क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन डॉ. चंद्रशेखर प्रजापति द्वारा किया गया, जिसमें दिवंगत लता भार्गव के इकलौते भाई विनय कुमार सहित संस्था के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत मां-बेटे की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

प्रयागराज में इंटर छात्र की दर्दनाक मौत

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के मुडेरा इलाके में एक होनहार छात्र की आत्महत्या ने सबको झकझोर दिया। इंटरमीडिएट की परीक्षा से ठीक पहले 12वीं के छात्र समीर ने फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों के मुताबिक, घटना से कुछ देर पहले समीर ने अपने एक करीबी दोस्त को आखिरी कॉल किया था। फोन पर उसकी आवाज कांप रही थी। उसने कहा– 'मैथ से बहुत डर लग रहा है... समझ नहीं आ रहा कैसे पेपर दूंगा।' यह कहने के बाद उसने फोन काट दिया और अपने कमरे में चला गया। कुछ समय बाद जब परिवार ने दरवाजा खटखटाया और कोई जवाब नहीं मिला, तो दरवाजा तोड़ा गया। अंदर का मंजर देख सब सन्न रह गए– समीर फंदे से लटका हुआ था। बताया जा रहा है कि समीर पढ़ाई में बेहद तेज था। वह 10वीं में अपने स्कूल का टॉपर रह चुका था। स्कूल प्रबंधन और परिवार का कहना है कि वह हमेशा अव्वल आने वाला छात्र था, लेकिन परीक्षा के दबाव ने उसे अंदर से तोड़ दिया। यह घटना एक बार फिर सवाल खड़ा करती है कि क्या हमारे बच्चे अंकों और उम्मीदों के बोझ तले दबते जा रहे हैं?

रेल वन सुपरऐप ने लॉन्च होने के 8 महीने से भी कम समय में 2 करोड़ डाउनलोड का आंकड़ा पार किया

● रेल वन प्रतिदिन लगभग 6 लाख टिकट बुकिंग की सुविधा प्रदान करता है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। भारतीय रेलवे के सुपरऐप, रेल वन ने लॉन्च होने के 8 महीने से भी कम समय में 2 करोड़ डाउनलोड का आंकड़ा पार कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है और इस महीने प्रतिदिन 5 लाख टिकटों का आंकड़ा भी पार कर लिया है। रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (CRIS) द्वारा विकसित इस ऐप को माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 1 जुलाई 2025 को लॉन्च किया था। तब से, देश भर के रेल यात्रियों के बीच इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। रेल वन ऐप एक एकीकृत डिजिटल गेटवे के रूप में उभर रहा है, जो एक ही सहज इंटरफ़ेस के माध्यम से यात्रियों को कई तरह की सेवाएं प्रदान करता है। अपनी परिचालन क्षमता और विश्वसनीयता को दर्शाते हुए, रेल वन अब प्रतिदिन लगभग 6 लाख टिकट बुकिंग की सुविधा प्रदान कर रहा है, जो इसकी मजबूती और बढ़ते उपयोगकर्ता विश्वास को रेखांकित करता है।

यह ऐप आरक्षित टिकट बुकिंग, अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेन पूछताछ, पीएनआर स्थिति और अन्य यात्री-केंद्रित सुविधाओं सहित प्रमुख रेलवे सेवाओं को एकीकृत करता है।

यह उपलब्धि भारतीय रेलवे के डिजिटल परिवर्तन और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। अपनी स्केलेबल संरचना, सहज डिजाइन और उपयोगकर्ता अनुभव पर केंद्रित होने के कारण, रेल वन रेलवे सेवाओं के साथ नागरिकों के जुड़ाव के तरीके को नया रूप दे रहा है। रेल वन नए फीचर्स और ए आई-संचालित क्षमताओं के साथ लगातार विकसित हो रहा है, जो भारत के लिए एक आधुनिक, प्रौद्योगिकी-सक्षम रेलवे पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है।

डीएम, एसपी एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने जिला कारागार का किया मासिक संयुक्त औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर डीएम/ जिला मजिस्ट्रेट डॉ. विपिन कुमार जैन, पुलिस अधीक्षक विकास कुमार एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अनुज कुमार पाण्डेय द्वारा आज जिला कारागार बलरामपुर का मासिक संयुक्त औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार के विभिन्न बैरकों, चिकित्सालय, पुरुष एवं महिला बैरक सहित अन्य व्यवस्थाओं का स्थलीय जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अल्पवयस्क बैरक में निरुद्ध बंदियों से संवाद कर उनकी कुशलक्षेम जानी तथा अस्पताल बैरक में भर्ती बंदियों से मिलकर उपचार एवं देखभाल की स्थिति की जानकारी ली। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई एवं बीमार बंदियों की उचित देखभाल को देखकर अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। कारागार अधीक्षक विजय कुमार शुक्ल ने बताया कि जेल चिकित्सालय में एक चिकित्सक एवं एक फार्मासिस्ट तैनात हैं तथा 20 बेड की व्यवस्था उपलब्ध है। बंदियों के उपचार हेतु आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। इसके पश्चात अधिकारियों ने परेड के दौरान बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानी तथा महिला बैरक का भी निरीक्षण किया। महिला बंदियों से उनके मुकदमों की जानकारी लेते हुए जिला मजिस्ट्रेट ने महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों को दी जा रही शिक्षा, पोषण एवं देखभाल संबंधी सुविधाओं की समीक्षा की और व्यवस्थाओं पर संतुष्टि व्यक्त की। कारागार परिसर की साफ- सफाई, सुव्यवस्थित व्यवस्था एवं हरियाली को भी अधिकारियों ने सराहा। इस अवसर पर कारागार चिकित्साधिकारी डॉ. रत्नेश वर्मा, उपकारापाल शारदा देवी, उपकारापाल राम प्रवेश, उपकारापाल अभय कुमार यादव, मुख्य चीफ कामता प्रसाद भार्गव सहित अन्य कारागार कर्मी उपस्थित रहे।

NCERT चैप्टर विवाद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, CJI बोले- माफी काफी नहीं, जिम्मेदारों की पहचान जरूरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सोशल साइंस की किताब में शामिल 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' शीर्षक वाले अध्याय को लेकर गुरुवार (26 फरवरी, 2026) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। सुनवाई के दौरान अदालत का रुख बेहद सख्त नजर आया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने स्पष्ट कहा कि केवल माफी से काम नहीं चलेगा, यह पता लगाना जरूरी है कि इसके पीछे कौन लोग हैं। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बिना शर्त माफी की बात कही। उन्होंने कहा कि यह गलती है और इसके लिए खेद है। लेकिन मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत इस जवाब से संतुष्ट नहीं दिखे।

उन्होंने टिप्पणी की कि यह मामला साधारण त्रुटि जैसा नहीं लगता। उनके शब्दों में, यह एक 'सोचा-समझा योजनाबद्ध कदम' प्रतीत होता है। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायपालिका पर सीधे हमला किया गया है और इसका असर व्यापक है।इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ कर रही है। बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचौली भी शामिल हैं।

सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि इस अध्याय को दो लोगों ने तैयार किया था। उन्होंने आश्वासन दिया कि संबंधित व्यक्तियों को भविष्य में यूजीसी या किसी मंत्रालय में काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, इस पर भी अदालत ने कड़ा रुख अपनाया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि केवल यह कह देना कि उन्हें आगे काम नहीं मिलेगा, पर्याप्त कार्रवाई नहीं मानी जा सकती। सीजेआई ने कहा कि यह तो उनके लिए और आसान है कि बिना सजा के उन्हें छोड़ दिया जाए। सीजेआई ने कहा कि उन्होंने न्यायापालिका पर गोली चलाई है और वह आज खून बहा रही है।

मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि अध्याय हटाने का निर्णय भर पर्याप्त नहीं है, क्योंकि किताब पहले ही बाजार में पहुंच चुकी

है। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं इसकी एक प्रति देखी है।सरकार की ओर से जवाब दिया गया कि कुल 32 प्रतियां ही बाजार में गई थीं और उन्हें वापस ले लिया गया है। साथ ही पूरी पुस्तक की फिर से समीक्षा की जाएगी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि किताब का कुछ हिस्सा डिजिटल माध्यम में भी उपलब्ध है। इस पर सरकार को ऑनलाइन सामग्री हटाने के निर्देश देने की बात उठी। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हार्ड कॉपी से अधिक सामग्री ऑनलाइन उपलब्ध है। इस पर सॉलिसिटर जनरल ने आश्वासन दिया कि विभाग ऑनलाइन सामग्री हटाने की व्यवस्था करेगा और उसके पास ऐसा करने की वैधानिक शक्ति है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने बताया कि उन्होंने अपने सेक्रेटरी जनरल से भी इस मामले में जानकारी जुटाने को कहा था। उन्होंने कहा कि शुरुआत में विभाग की ओर से इस सामग्री का बचाव किया जा रहा था।अदालत ने इस पूरे मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायाधीश ने साफ किया कि जब तक अदालत संतुष्ट नहीं होगी, सुनवाई जारी रहेगी। उनका कहना था कि बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों तक यह संदेश जा सकता है कि भारतीय न्यायपालिका भ्रष्ट है और यही चिंता का विषय है।

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा , वही दिखेगा

स्वतंत्र प्रभात के राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अखबार, पत्रिका एवं ऑनलाइन चैनल में काम करने हेतु अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।

जिला, तहसील एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरोचीफ, संवाददाता और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

अपना बायोडाटा भेजे : 9511151254

www.swatantraprabhat.com www.epaper.swatantraprabhat.com

भारत की वीरता एवं बलिदान के प्रतीक हैं - शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद

देश की आज़ादी के लिए अपने हाथों से अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की आज 27 फरवरी को 95वीं पुण्यतिथि है। आज़ाद एक ऐसे दीवाने का नाम है, जिसकी अपने देश के प्रति दीवानगी के किस्से सुनकर ही हर मस्तक अपने आप नतमस्तक हो जाता है। आज के आधुनिक एआई के इस युग में जब पचास बरस के आदमी या नेता को युवा माना जाता है, आप कल्पना करें जब एक दस-बारह साल का अबोध बालक देश की आज़ादी के लिए सुदूर आदिवासी अंचल अभिजात्य झाबुआ-अलीराजपुर जिले के अपने जन्मस्थली भाबरा गाँव की गलियों में बचपन की मौज-मस्ती को छोड़कर भूख-प्यास की परवाह किए बिना अपनी भारत माता की आज़ादी के लिए निकल पड़ा, तो उसकी उम्र वर्तमान संदर्भ में क्या मानी जाएगी ?

देश की आज़ादी का सर पर जुनून लिए निकले बालक आज़ाद ने 1921 में महात्मा गांधी द्वारा चलाए जा रहे असहयोग आंदोलन में भाग लिया और अंग्रेज़ों के खिलाफ आज़ादी के दीवानों के साथ अपना सुर बुलंद करते हुए गिरफ्तार किए गए। जब अंग्रेज़ जज के सामने आज़ाद को पेश किया गया और जब जज ने नाम पूछा तो निडर होकर रौबदार आवाज में अपना नाम 'आज़ाद' बताया, पिता का नाम 'स्वतंत्र' बताया और अपना घर 'जेल' बताया, तो जज साहब झल्ला गए और उन्होंने बालक आज़ाद के देशभक्ति के अदम्य साहस से घबराकर पंद्रह बेंत मारने की सजा सुनाई। अपनी सजा पर बालक आज़ाद मुस्कुराए और हर बेंत की मार के साथ 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के जयघोष से पूरे वातावरण में ओज भर दिया।

इस घटना के बाद एक अदम्य साहसी क्रांतिकारी के रूप में आज़ाद का राष्ट्रीय पटल पर उदय हुआ और पंडित रामप्रसाद बिस्मिल के विश्वस्त साथी बनकर भारत की आज़ादी का अलख जगाने में खुद को झोंक दिया। यहीं पर देश के लिए मर मिटने वाले आज़ादी के सारे दीवानों का मिलन हुआ। आज़ाद में स्वाभिमान के गुण बचपन से ही विद्यमान थे। अपने माता-पिता से विरासत में मिले इन्हीं गुणों की वजह से आज़ाद जो एक बार सोच लेते थे, उसे हर हाल में पूरा करते थे। बिस्मिल द्वारा बनाए गए आज़ादी के दीवानों के संगठन का नाम हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन था, जिसका उद्देश्य अंग्रेज़ों से भारत माता को आज़ादी दिलाना था। आज़ाद स्वयं कहते थे कि दासता जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप है और इसी प्रेरणा से वे जीवन भर इस अभिशाप से लड़ते रहे।

सन 1920 से 30 का एक पूरा दशक ऐसा था जब देश में अंग्रेज़ी हुकूमत आज़ादी के इन जवानों के ख़ौफ़ से डरी-सहमी हुई थी। उस एक दशक में यदि भारत की आज़ादी के लिए सारे नेता एकमत हो जाते तो देश पच्चीस बरस पहले ही आज़ाद हो गया होता। अंग्रेज़ों से उन्हीं की भाषा में जवाब देने के लिए हथियारों और गोला-बारूद हेतु धन के लिए रामप्रसाद बिस्मिल की योजना के तहत सरकारी खजाना लूटने के लिए आज़ादी के दीवानों ने काकोरी कांड को अंजाम दिया। काकोरी कांड में सरकारी खजाना लूटने से अंग्रेज़ी हुकूमत बुरी तरह बौखला गई और देशभर में बिस्मिल और उनके साथियों की धरपकड़ तेज कर दी गई। इसे विडंबना कहें या फिर देश का दुर्भाग्य कि हज़ारों देशभक्त दीवानों को अंग्रेज़ी हुकूमत तो नहीं खोज पाई, लेकिन अपने ही लोगों की दगाबाज़ी के चलते अंग्रेज उन्हें फांसी के फंदे पर लटकाने में कामयाब हो गए।

रामप्रसाद बिस्मिल की फांसी के बाद हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन बिखर चुका था, लेकिन आज़ाद ने हिम्मत नहीं हारी और कमान अपने हाथों में ली तथा अपने साथियों को पुनः एकजुट कर देश की आज़ादी की फिर से हुंकार भरी। आज़ादी के दीवानों ने भारत की जेलों में भी आज़ादी का अलख जगाए रखा। अंग्रेज़ों से छिपते हुए, भेष बदलते आजाद ने भगत सिंह के साथ देशभर में फिर से अंग्रेज़ों के खिलाफ गुस्सा पैदा कर दिया था। अंग्रेज़ी हुकूमत हर हाल में आज़ाद और भगत सिंह को गिरफ्तार कर अपने प्रति बढ़ते विद्रोह को दबाना चाहती थी। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की गिरफ्तारी के बाद भी आज़ाद अपने साथियों के बूते अंग्रेज़ों के खिलाफ देशभर के लोगों में आक्रोश जगाते रहे।

आज़ाद देश में जहाँ भी जाते, विश्वसनीय साथियों की ऐसी टीम तैयार कर लेते थे जो देश की आज़ादी के लिए मरने-मारने का जज़्बा रखती थी। साधन संसाधन विहीन होकर भी आज़ाद उस अंग्रेज़ी हुकूमत से टकराए, जिसका कभी सूरज अस्त नहीं होता था। आज़ाद की गतिविधियों से अंग्रेज़ हुकूमत को यह भय हो गया था कि एक अकेला आज़ाद भी उनकी हुकूमत के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। इसलिए देशभर में आज़ाद की गिरफ्तारी के लिए जाल बिछा दिया गया और लोगों को सूचना देने पर प्रलोभन की घोषणा की गई। आज़ाद की खोज में उनकी जन्मस्थली भाबरा से लेकर आज़ादी के दीवानों के हर ठिकाने पर दबिश दी गई, लेकिन आज़ाद कहीं नहीं मिले। आज़ाद हमेशा यह पंक्ति गाया करते थे - 'दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे,आज़ाद ही रहे हैं, आज़ाद ही रहेंगे'। 'आज़ाद ने अंग्रेज़ी हुकूमत द्वारा जेलों में बंद भगत सिंह सहित सभी साथियों को छुड़वाने का बहुत प्रयास किया। आज़ाद चाहते थे कि देश के सारे बड़े नेता एक बार उनका साथ देकर आज़ादी की लड़ाई में शामिल हो, लेकिन आज़ादी के इन नौजवान दीवानों की भला किसी ने नहीं सुनी। 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद, अर्थात वर्तमान प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में भी आज़ाद अपने साथियों की रिहाई की योजना को लेकर आए थे और एक पेड़ के नीचे खड़े होकर अपने कुछ साथियों का इंतज़ार कर रहे थे, लेकिन अपने ही एक साथी की दगाबाज़ी के चलते आज़ाद अंग्रेज़ सिपाहियों से घिर चुके थे। चारों ओर से घिरने के बाद भी आज़ाद आखिरी गोली शेष बचने तक लड़ते रहे और अंतिम गोली कनपटी में स्वयं मारकर आत्मबलिदान कर लिया। आज़ादी के इस दीवाने ने अपने रक्त से अपनी मातृभूमि की आज़ादी का अभिषेक कर दिया था। महज़ पच्चीस वर्ष की आयु में चन्द्रशेखर आज़ाद अमर शहीदों की कतार में शामिल हो गए। आजाद की शहादत के बाद देशभर में अंग्रेज़ों के प्रति विद्रोह की भावना पनपने लगी और अंग्रेजी दबदबे को बनाए रखने के लिए आजाद के बलिदान के कुछ ही दिनों बाद चुपचाप भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को भी फांसी दे दी गई। इस प्रकार आजादी के दीवानों ने देश के लिए मुस्कुराते हुए मौत को चुन लिया, लेकिन फिरंगियों और उनके लालच को नहीं चुना। देश की आज़ादी के बाद सरकार द्वारा हर बरस शहीदों की चिताओं पर मेले लगाने का दावा किया गया था, लेकिन शनैः शनैः शहीदों के नाम पर लगने वाले मेले राजनीतिक दलों या नेताओं के शक्ति-प्रदर्शन के मंच बन गए। अब शहीदों की चिताओं पर महज रस्म अदायगी भर का आयोजन होता है, शेष सब राजनीति का बखान होता है।

दुःख इस बात का है कि देश का जनमानस भी आधुनिकता की इस चकाचौंध में आजाद जैसे अमर बलिदानियों को भूलता जा रहा है। अफसोस तो यह है कि देश की नई पीढ़ी के लिए आजादी के मायने वर्ष में दो दिन अपने स्टेटस सजाने से अधिक कुछ नहीं रह गए हैं। दुनिया घूमने का दावा करने वाली आधुनिक पीढ़ी ने आजादी के दीवानों की जन्मस्थली को देखने और प्रणाम करने की भी नहीं सोची, तो देशभक्ति उनके जेहन में कैसे जागेगी ?

आज एआई के युग में देश के जनमानस को दुनिया-जहाँ का ज्ञान है, लेकिन उसकी नव पीढ़ी के अधिकांश लोगों को आजादी का मोल को वे जी रहे हैं, उसके लिए जीवन उत्सर्ग कर देने वाले आधा दर्जन अमर शूरवीरों के नाम तक स्मरण नहीं हैं। देश की आने वाली पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति उसके कर्तव्यबोध का ज्ञान करवाना है तो आजादी और उसके दीवानों के बलिदान से अवगत करवाना अत्यंत आवश्यक है। सरकार को चाहिए कि देश की आधुनिक पीढ़ी में आजाद, भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की तरह राष्ट्र के प्रति जज्बा बनाए रखने हेतु अमर बलिदानियों के जीवन-चरित्र को शिक्षा का मूल भाग बनाया जाए और आजादी के अमर शहीदों की चिताओं पर ईमानदारी से, निस्वार्थ राष्ट्रभावना के साथ हर वर्ष मेले सजाए जाएँ। तभी हम आज़ाद की तरह राम सा शौर्य और शंकर सा लोक कल्याण का भाव देश की नई पीढ़ी में देख सकेंगे।

अरविंद रावल

संपादकीय

बदलता मौसम बढ़ती गर्मी और अनिश्चित भविष्य

फरवरी का महीना कभी सर्द हवाओं, हल्की धूप और पहाड़ों पर जमी बर्फ के लिए जाना जाता था, लेकिन इस बार तस्वीर बिल्कुल अलग है। उत्तर भारत से लेकर मध्य भारत तक तापमान सामान्य से कई डिग्री ऊपर चल रहा है। कश्मीर घाटी, जिसे बर्फ और ठंड की धरती माना जाता है, वहां अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। यह फरवरी के इतिहास में असामान्य माना जा रहा है। 24 फरवरी 2016 को 20.6 डिग्री तापमान दर्ज हुआ था, लेकिन इस वर्ष उससे भी अधिक गर्मी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। श्रीनगर के मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. मुख्तार अहमद के अनुसार इस बार कोई मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं हुआ, जिससे सामान्य शीतकालीन वर्षा और बर्फबारी नहीं हो सकी। यह केवल एक मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि वायुमंडलीय असंतुलन का संकेत है।

कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग और सोनमर्ग में हाल ही में हुई बर्फबारी लगभग पिघल चुकी है। बर्फ की कमी का असर पर्यटन और खेल गतिविधियों पर साफ दिखाई दे रहा है। खेलो इंडिया विंटर गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त बर्फ नहीं मिल पा रही। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कृत्रिम बर्फ बनाने की व्यवस्था पर जोर दिया है। यह स्थिति दर्शाती है कि जलवायु परिवर्तन अब केवल वैज्ञानिक रिपोर्टों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जमीनी हकीकत बन चुका है।

लद्दाख क्षेत्र की स्थिति भी चिंताजनक है। लेह और आसपास के क्षेत्रों में जनवरी और फरवरी में लगभग बर्फ नहीं गिरी। 17,582 फीट ऊंचे खारदुंग ला और चांग ला जैसे दर्रों पर सामान्य से 70 से 80 प्रतिशत कम बर्फबारी दर्ज की गई। हालांकि 14 हजार फीट पर स्थित पैंगोंग झील जमी हुई है और वहां न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया, फिर भी आसपास की पहाड़ियां बिना बर्फ के काली दिखाई दे रही हैं। यह दृश्य सामान्य सर्दियों के बिल्कुल विपरीत है।

पिछले पांच वर्षों में फरवरी का महीना लगातार अपेक्षा से अधिक गर्म और शुष्क रहा है। पहले इस महीने में चार से छह पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होते थे, जिससे अच्छी वर्षा और हिमपात होता था। अब यह संख्या घटकर एक या दो रह गई है। उत्तराखंड और कश्मीर में सामान्य से 70 से 80 प्रतिशत तक कम वर्षा और बर्फबारी हो रही है। 2023 का फरवरी महीना पिछले 122 वर्षों में सबसे गर्म दर्ज किया गया। यह आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि मौसम के पैटर्न में दीर्घकालिक बदलाव हो रहा है।

मध्य भारत के राज्यों जैसे मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री अधिक चल रहा है। श्रीगंगानगर में फरवरी के अंतिम सप्ताह में अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान भी 14 डिग्री के आसपास रहा। यह स्थिति मार्च में संभावित हीट वेव का संकेत देती है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि होली के बाद तेज गर्मी का दौर शुरू हो सकता है और तापमान 35 डिग्री या उससे अधिक तक जा सकता है। इस असामान्य गर्मी का सीधा असर कृषि पर पड़ रहा है। गेहूं, सरसों और अन्य रबी फसलों के लिए ठंडा मौसम आवश्यक होता है। यदि तापमान समय से पहले बढ़ जाता है तो फसल जल्दी पक जाती है, जिससे दानों का आकार छोटा रह जाता है और उत्पादन घट सकता है। किसानों की चिंता बढ़ रही है, क्योंकि पानी की उपलब्धता भी कम हो सकती है। पहाड़ों पर बर्फ कम गिरने का मतलब है कि गर्मियों में नदियों का जलस्तर घट सकता है, जिससे सिंचाई और पेयजल संकट गहरा सकता है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों का हिस्सा है। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, वनों की कटाई और कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि ने पृथ्वी के तापमान को लगातार बढ़ाया है। ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, वर्षा के पैटर्न में बदलाव और चरम मौसम घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति इसी के परिणाम हैं। कभी बेमौसम बारिश तो कभी अचानक लू का प्रकोप आम हो गया है।

सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। पर्यटन उद्योग, जो कश्मीर और लद्दाख जैसे क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था का आधार है, बर्फ की कमी से प्रभावित होगा। यदि विंटर टूरिज्म कमजोर पड़ता है तो स्थानीय लोगों की आय पर सीधा असर पड़ेगा। वहीं मैदानी इलाकों में बढ़ती गर्मी से बिजली की मांग बढ़ेगी, जिससे ऊर्जा संकट और बढ़ सकता है।

आने वाले दिनों में उत्तर पश्चिम भारत, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में तापमान में और वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। यदि मार्च के पहले सप्ताह से ही तेज धूप और लू जैसे हालात बनने लगें, तो यह संकेत होगा कि इस वर्ष गर्मी सामान्य से अधिक प्रचंड रह सकती है। साथ ही, बेमौसम बारिश की आशंका भी बनी हुई है, जो फसलों को नुकसान पहुंचा सकती है।

स्पष्ट है कि मौसम का यह बदलता स्वरूप केवल एक मौसमी खबर नहीं, बल्कि भविष्य के लिए चेतावनी है। हमें पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। जल संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग और कार्बन उत्सर्जन में कमी जैसे कदम अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुके हैं। यदि समय रहते ठोस प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाले वर्षों में फरवरी की ठंड केवल स्मृतियों में रह जाएगी और मौसम की अनिश्चितता हमारी नई वास्तविकता बन जाएगी।

कांतिलाल मांडोत

भारत इजराइल गठबंधन, भारत की शांति प्रयासों की नई भूमिका

भारत-इजराइल की अटूट मित्रता।

भारत के प्रधानमंत्री की दूसरी इजरायल यात्रा भारत के शांति प्रयासों की एक नई भूमिका तय करेगा। इजरायली संसद में प्रधानमंत्री ने संबोधन में कहा आतंकवाद किसी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा एवं उग्रवाद एवं आतंकवाद हर स्तर पर गलत है। इसराइल के प्रधानमंत्री ने भारत को एक अभिन्न मित्र एवं सहयोगी बताया उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना भाई मित्र और हितेषी भी निरूपित किया है। भारत के प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा पर दुनिया के हर देश की नजर लगी हुई है। इजरायली संसद में संबोधन के बाद प्रधानमंत्री को वहां ऐतिहासिक तौर पर सम्मानित भी किया गया। प्रधानमंत्री की इस यात्रा में भारत इजरायली संबंधों का एक नए युग का सूत्रपात किया है। भारत इजराइल के सहयोग से एक सुरक्षात्मक आयरन डोम बनाने की तकनीक भारत में तैयार करेगा। जिससे भारत और भी सुरक्षित एवं मजबूत होगा और भारत अपनी रक्षात्मक प्रणाली की नई तैयारी करने में सक्षम हो सकेगा। भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहाद्र का सर्वकालिक समर्थक रहा है। भारत ने रूस यूक्रेन युद्ध मैं शांति प्रयासों की हमेशा सकारात्मक भूमिका निभाई है। युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी किए हैं ,यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेन्सकी अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े है। अब इजराइल हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है। भारत ने आतंकवादी संगठन हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है पर दूसरी तरफ इजरायल की बमबारी से घायल हुए पिलिस्तिनी नागरिकों के लिए 38 टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध अरब देशों के साथ-साथ यूरोप,अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस और नाटो देशों से भी मधुर हैं इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। पूर्व में भी भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया ,120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया, 45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता और भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत को आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। भारतवर्ष अर्वाचीन काल से अहिंसा का पुजारी रहा है पुरातन काल से ही राजा, महाराजा और सम्राटों ने अपने राज्य कार्य में हिंसा को कभी प्रथम पंक्ति में महत्त्व नहीं दिया था तथा विस्तार वाली नीतियों में भी सेना प्रयास करती रही की आक्रमण के दौरान कम से कम सैनिक हताहत हो ऑपरेशन सिंदूर में भी पाकिस्तान के सैनिक ठिकानों पर ही हमला किया गया ताकि कम से कम नागरिक हताहत हों और भारत में ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान की गुहार तथा निवेदन पर तत्काल रोक दिया था फलस्वरूप कॉल स्वरूप दोनों देशों के काम से कम नागरिक जख्मी तथा मृत हुये।

प्राचीन काल में भी राजा, महाराजा तथा सम्राटो ने सदैव अहिंसा के पुजारी बनकर ही राजकाज किया था पहले से आक्रमण न करने की नीति तथा अहिंसा वादी नीति के कारण भारत पहले मुगलों का तथा बाद में अंग्रेजों का गुलाम हो गया था इसके उपरांत बहुत संघर्ष तथा मेहनत के बाद 1947 में भारत को आजादी मिली और इसके उपरांत भारत लगातार 'अहिंसा परमो धर्म' की नीति पर अपने कदम बढ़ाता रहा है कुछेक उदाहरण को छोड़ दिया जाए जैसे पाकिस्तान द्वारा लगातार भारत पर आक्रमण करने से भारत ने मुंह तोड़ जवाब भी दिया और इसी के परिणाम स्वरूप बांग्लादेश का जन्म भी हुआ7 पर इस घटना में भी भारत की वैश्विक स्तर पर शांतिदूत की भूमिका ही रही भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि एक शांति के संप्रभुता वाले गणतांत्रिक लोकतंत्र की रही भारत ने ऐतिहासिक तौर पर कभी किसी राष्ट्र पर अपनी तरफ से आक्रमण हमला नहीं किया और यही कारण है की संयुक्त राष्ट्र संघ के 75 वर्ष के निर्माण काल के पश्चात संयुक्त राष्ट्र संघ हमेशा शांति प्रयासों में भारत की सहायता लेता रहा है और भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ वैश्विक स्तर पर शांति प्रयासों में योगदान की महत्वपूर्ण रहा है भारत की स्वतंत्रता के बाद मोदी सरकार ने भी वसुधैव कुटुंबकम की नीति का परिचालन कर विश्व को संदेश दे दिया है की भारत गांधी का देश है बुध और विवेकानंद का देश है वह अपने साथ विश्व में भी शांति और सौहार्द्र बनाए रखना चाहता है और इसी कार्यक्रम में 26 सितंबर 2020 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना दिवस की 77 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आभासी आयोजन में हिंदी में संभाषण किया था। यह उनकी संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा को संबोधित करने का हिंदी में तीसरा अवसर था उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ के द्वारा किए जा रहे शांति प्रयासों में अपनी भूमिका का स्मरण दिलाया उन्होंने कहा की भारत विभिन्न समय में संयुक्त राष्ट्र संघ से कंधे से कंधा मिलाकर शांति प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है. इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद के लोकतांत्रिक होने के प्रयासों में अपना दावा भी पेश किया था यह उल्लेखनीय है की भारत में संयुक्त राष्ट्र संघ की सभी शांति प्रयास की योजनाओं तथा अभियान में अपनी सशक्त जिम्मेदारी निभाते हुए अपना सहयोग तथा शांति सेना हेतु अपनी सेनाओं को भेजकर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी धर्म तथा संविधान तथा घोषणा पत्र मैं शांति प्रयासों के लिए सेना को भेजने का कहीं उल्लेख नहीं है किंतु विश्व के कई युद्ध रत तथा मुसीबत में पड़े राष्ट्रों को जहां गृह युद्ध जैसी स्थिति बनी है वहां भारतीय गणतंत्र ने अपनी सेनाएं भेज कर हजारों लाखों मानव की रक्षा कर, मानव जाति की सेवा की है. और अवांछित युद्ध जैसी स्थिति पर अपनी सेनाओं द्वारा नियंत्रण स्थापित किया है इस बात को संयुक्त राष्ट्र संघ अलग-अलग महासभा में स्वीकार भी करता है अब तक भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आहूत शांति प्रयासों तथा शांति निर्वहन संक्रियाओं का समर्थन कर रचनात्मक सहयोग हर संभव किया है भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के आव्हान पर कोरिया, वियतनाम, लागोस, मिस्र, सीरिया , लाइबेरिया, युगोस्लाविया, नामीबिया, सोमालिया, सूडान सहित अनगिनत देशों में अपनी सेनाएं वहां पर शांति बहाली हेतु अलग-अलग समय में उपलब्ध करवाई थी

भारत द्वारा विश्व शांति की स्थापना की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संघ शांति अभियानों में अनथक एवं बहुत बड़ा सहयोग किया है उन्होंने कई देशों के मध्य पर्यवेक्षक की भूमिका भी सफलतापूर्वक निभाई है इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत को शांति निरीक्षण आयोगों, समितियों तथा अंतरिम विश्वास बहाली कार्यक्रमों में बतौर सदस्य नामित भी किया है इस भूमिका को भी भारत ने बहुत सफलतापूर्वक निर्वहन किया है, वैसे भी भारत की विदेश नीति सदैव वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का प्रबल पक्षधर रही है इसीलिए भारत सरकार ने न सिर्फ संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति बहाल अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है बल्कि विश्व के अनेक तनावग्रस्त संकटग्रस्त एवं युद्ध देशों के मध्य अपनी कूटनीतिक राजनैतिक भूमिका भी कर्मठता से निभाई है संयुक्त राष्ट्र संघ बहुत महत्वपूर्ण होकर जटिल भी होते हैं ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की हर भूमिका को बड़े ही शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में निपटाने का कार्य बखूबी निभाया है और भारत राष्ट्र जिस तरीके से आत्मनिर्भर होकर विदेश की सरकारों से अपने संबंध स्तापित किए हैं, उससे यह दिन दूर नहीं जब भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्य बनाकर, वैश्विक शांति के लिए शांतिदूत का दर्जा दिया जाएगा।

संजीव ठाकुर

आतंकवाद की जड़ पर प्रहार

आतंकवाद विरोधी नीति का अनावरण भारतीय सुरक्षा इतिहास की एक ऐसी घटना हैए जिसने देश की रक्षात्मक रणनीति को एक नए और आक्रामक धरातल पर खड़ा कर दिया है। प्रहारए यह नीति केवल एक आधिकारिक दस्तावेज नहीं हैए बल्कि यह आतंकवाद के विरुद्ध भारत की सामूहिक इच्छाशक्ति और श्जीरो टॉलरेंसश् के सिद्धांत की एक वैधानिक उद्घोषणा है। पिछले कई दशकों से भारत ने सीमा पार से प्रायोजित आतंकवाद का दंश झेला हैए लेकिन श्प्रहारश् पहली बार एक ऐसी एकीकृत और व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत करती है जो न केवल वर्तमान खतरों से लड़ती हैए बल्कि भविष्य की उन चुनौतियों का भी आकलन करती है जो अभी तक क्षितिज पर उभर ही रही हैं। इस नीति का सबसे प्रमुख पहलू इसकी समग्रता हैए जो जलए थल और नभ तीनों ही मोर्चों पर सुरक्षा की एक अभेद्य दीवार खड़ी करने का लक्ष्य रखती है। आधुनिक युग में आतंकवाद का चेहरा पूरी तरह बदल चुका हैय यह अब केवल बंदूकों और विस्फोटकों तक सीमित नहीं हैए बल्कि इसमें ड्रोन तकनीकए साइबर हमलेए और परिष्कृत एन्क्रिप्शन का समावेश हो चुका है। श्प्रहारश् नीति इन बदलती वास्तविकताओं को पहचानती है और स्वीकार करती है कि आज का आतंकवादी साइबर स्पेस में बैठकर देश के बुनियादी ढांचे पर प्रहार कर सकता है।

भारत की भौगोलिक और राजनीतिक स्थिति इसे आतंकवाद के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील बनाती है। श्प्रहारश् दस्तावेज में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि देश को सीमा पार से संचालित होने वाले उन राज्य.प्रायोजित समूहों से निरंतर खतरा है जो पंजाब और जम्मू.कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अस्थिरता पैदा करने के लिए ड्रोन जैसी नई तकनीकों का सहारा ले रहे हैं। ये ड्रोन न केवल हथियारों की तस्करी कर रहे हैंए बल्कि नशीले पदार्थों के माध्यम से भारत की युवा पीढ़ी को खोखला करने का एक नया माध्यम बन गए हैं। इसके साथ हीए अल.कायदा और इस्लामिक स्टेट ऑफ़ इराक एंड सीरिया जैसे वैश्विक आतंकी संगठनों की भारत में पैठ जमाने की कोशिशों को भी इस नीति में गंभीरता से लिया गया है। ये संगठन अब प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय श्लोन वुल्फश् हमलों और छोटे.छोटे स्लीपर सेल्स के माध्यम से हिंसा फैलाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इनके द्वारा सोशल मीडियाए डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स का उपयोग प्रोपेगैंडा फैलानेए युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और भर्ती करने के लिए किया जा रहा हैए जो सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक अभूतपूर्व चुनौती है।

श्प्रहारश् नीति की रोकथाम रणनीति का हृदय इंटेलिजेंस ब्यूरो के तहत संचालित होने वाला श्मल्टी.एजेंसी सेंटरश् और श्जॉइंट टास्क फोर्स ऑन इंटेलिजेंसश् है। सरकार ने इन मंचों को रीयल.टाइम इंटेलिजेंस साझा करने के लिए एक अनिवार्य नोडल प्लेटफॉर्म बना दिया हैए जिससे विभिन्न केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच सूचनाओं की दीवारें गिर गई हैं। अब जानकारी का प्रवाह इतना तेज और सटीक है कि संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम देने से पहले ही उन्हें निष्क्रिय किया जा सकता है। आतंकवाद की आर्थिक रीढ़ पर प्रहार करने के लिए इस नीति में क्रिप्टो.वॉलेट और हवाला नेटवर्क के विरुद्ध कठोर दंडात्मक प्रावधान किए गए हैं। नीति मानती है कि यदि आतंकी फंडिंग के स्रोतों को सुखा दिया जाएए तो उनके ऑपरेशंस अपने आप ठप पड़ जाएंगे। इसके अलावाए देश के महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे पावर ग्रिडए रेलवेए एविएशनए और न्यूक्लियर इंस्टॉलेशन की सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है। सीमा सुरक्षा को केवल बाड़ लगाने तक सीमित न रखकर उसे सेंसर आधारित श्स्मार्ट फेंसिंगश् और सैटेलाइट निगरानी से सुसज्जित किया जा रहा है ताकि घुसपैठ की हर कोशिश को विफल किया जा सके।

प्रतिक्रिया तंत्र के मामले में श्प्रहारश् नीति एक स्पष्ट श्रेणीबद्ध ढांचा प्रदान करती है। इसमें स्थानीय पुलिस की भूमिका को श्प्रथम उत्तरदाताश् के रूप में अत्यधिक महत्व दिया गया है। नीति का मानना है कि हमले के शुरुआती मिनट सबसे महत्वपूर्ण होते हैंए इसलिए स्थानीय पुलिस को इतना सशक्त और प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे विशिष्ट बलों के आने तक स्थिति को नियंत्रित कर सकें। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड को गृह मंत्रालय के अधीन नोडल काउंटर.टेररिज्म फोर्स के रूप में और अधिक शक्तियां दी गई हैंए ताकि वह न केवल ऑपरेशंस का नेतृत्व करेए बल्कि राज्यों की आतंकवाद.विरोधी इकाइयों को भी वैश्विक स्तर का प्रशिक्षण और उपकरण प्रदान करे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को जांच के क्षेत्र में व्यापक स्वायत्तता दी गई है ताकि आतंकी मामलों का समयबद्ध और प्रभावी निपटारा हो सके। यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि श्प्रहारश् नीति सुरक्षा और मानवाधिकारों के बीच एक सूक्ष्म संतुलन बनाए रखने पर भी जोर देती है। गैरकानूनी गतिविधियां; रोकथामद्ध अधिनियम जैसे कठोर कानूनों का उपयोग करते समय इस बात का ध्यान रखा जाता है कि न्याय प्रक्रिया पारदर्शी हो और किसी निर्दोष को प्रताड़ित न किया जाए।

क्षमता निर्माण श्प्रहारश् का वह स्तंभ है जो इसे भविष्योन्मुखी बनाता है। सुरक्षा बलों को केवल आधुनिक हथियार देना ही पर्याप्त नहीं हैय उन्हें उन नई विधाओं में भी पारंगत किया जा रहा है जो भविष्य के युद्धों का हिस्सा होंगी। इसमें रासायनिकए जैविकए रेडियोधर्मीए परमाणु और उन्नत विस्फोटक जैसे खतरों से निपटने के लिए विशेष ड्रिल और तकनीक का प्रशिक्षण शामिल है। सुरक्षा संस्थानों के बुनियादी ढांचे और फैकल्टी को अपग्रेड किया जा रहा है ताकि हमारी एजेंसियां दुनिया की बेहतरीन काउंटर.टेररिज्म यूनिट्स के समकक्ष खड़ी हो सकें। इसके साथ हीए डी.रेडिकलाइजेशन ;कट्टरपंथ मुक्तिद्ध को इस नीति का एक अनिवार्य अंग बनाया गया है। सरकार ने स्वीकार किया है कि आतंकवाद के विरुद्ध युद्ध केवल बंदूकों से नहीं जीता जा सकताए बल्कि विचारधारा के धरातल पर भी लड़ना होगा। इसके लिए समुदायोंए धार्मिक नेताओंए उदारवादी प्रचारकों और गैर.सरकारी संगठनों को साथ लिया जा रहा है। इसका उद्देश्य उन युवाओं की पहचान करना है जो कट्टरपंथ की राह पर भटक रहे हैं और उन्हें रचनात्मक गतिविधियोंए रोजगार और सामाजिक मुख्यधारा से जोड़ना है। जेलों के भीतर कट्टरपंथ को रोकने के लिए जेल प्रशासन को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि कट्टरपंथी अपराधियों को सामान्य कैदियों से अलग रखा जाए ताकि वे जेल को भर्ती केंद्र न बना सकें।

अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर श्प्रहारश् नीति भारत के नेतृत्वकारी दृष्टिकोण को प्रदर्शित करती है। यह वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर श्नो मनी फॉर टेररश् जैसे सिद्धांतों को आगे बढ़ाती है। पारस्परिक कानूनी सहायता संधियों और प्रत्यर्पण संधियों के माध्यम से भारत विदेशी धरती पर छिपे आतंकियों को कानून के कटघरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। संयुक्त राष्ट्र में आतंकी समूहों और उनके आकाओं को प्रतिबंधित करने के प्रयासों में तेजी लाना इस नीति का एक प्रमुख कूटनीतिक लक्ष्य है। भारत अब केवल एक शिकायतकर्ता राष्ट्र नहीं रहाए बल्कि एक ऐसा देश बन गया है जो आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक मानदंडों को निर्धारित करने की क्षमता रखता है। नीति में स्पष्ट किया गया है कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है और इसका मुकाबला केवल वैश्विक सहयोग से ही संभव है। निष्कर्षतः प्रहार नीति भारत की सुरक्षा वास्तुकला में एक निर्णायक मोड़ है। यह नीति एक ऐसे भारत का चित्र प्रस्तुत करती है जो अपनी संप्रभुता के प्रति जागरूक है और अपनी सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। गृह मंत्री अमित शाह के दूरदर्शी नेतृत्व में तैयार किया गया यह दस्तावेज न केवल मौजूदा चुनौतियों का समाधान करता हैए बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने का वादा भी करता है। श्प्रहारश् का सफल क्रियान्वयन केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वयए संसाधनों के उचित आवंटन और बदलती तकनीक के साथ निरंतर अनुकूलन पर निर्भर करेगा। यह नीति आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को एक कड़ा और स्पष्ट संदेश देती है कि भारत अब खामोश नहीं रहेगाय वह अपनी सुरक्षा के लिए हर उस जड़ पर प्रहार करेगा जहाँ से हिंसा का अंकुर फूटता है। यह वास्तव में सुरक्षित और विकसित भारत की दिशा में बढ़ाया गया एक क्रांतिकारी कदम हैए जो देश के प्रत्येक नागरिक में अटूट विश्वास और सुरक्षा की भावना जागृत करता है।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी- स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय शिविर का पांचवा दिन ध्यान योग से हुआ प्रारंभ

सीतापुर आज श्री गांधी महाविद्यालय सिधौली सीतापुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय शिविर के पांचवें दिन का प्रारंभ सभी स्वयं सेवकों/ सेविकाओं ने ध्यान-योग से प्रारंभ किया। आज शिविर के प्रथम सत्र की मुख्य थीम 'साइबर अपराध एवं डिजिटल अरेस्ट के प्रति जागरूकता' कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आचार्य नरेंद्र देव प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रोफेसर प्रनिता मैम ने साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया। प्रोफेसर सुनील कुमार ने अपने उद्बोधन मे डिजिटल अरेस्ट एवं साइबर अपराध के प्रति रखने वाली सावधानियों को समाज में होने वाले अनुभवों को साझा करते हुए जागरूक किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ अजय कुमार वर्मा एवं हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ गोपाल सिंह के नेतृत्व में साइबर अपराध एवं डिजिटल अरेस्ट के प्रति जागरूकता रैली निकाली गई। भोजनावकाश के बाद पांच-पांच स्वयं सेवकों/सेविकाओं की टोलियों ने लोध पुरवा गांव के परिवारों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया। सायं कालीन सत्र में सभी स्वयं सेवकों सेविकाओं ने खेलकूद से मनोरंजन किया।

छात्रा से अश्लील हरकत, शिक्षामित्र गिरफ्तार, मुकदमा दर्ज

पहले भी मिली थी चेतावनी, आचरण में नहीं हुआ सुधार

सुल्तानपुर- जिले के एक सरकारी स्कूल में कक्षा दो की छात्रा से अश्लील हरकत के आरोप में शिक्षामित्र वत्सल प्रसाद मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बुधवार देर रात मुकदमा दर्ज करने के बाद यह कार्रवाई की। परिजनों के अनुसार, शिक्षामित्र ने छात्रा के साथ कई बार अनुचित स्पर्श किया। छात्रा ने आरोप लगाया कि एक बार उसके गाल पर दांत से काटा गया था। 14 फरवरी को दोबारा कथित हरकत के बाद छात्रा ने रोते हुए अपनी मां को पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिवार में आक्रोश फैल गया। बताया गया है कि छात्रा के पिता ने पहले भी प्रधानाध्यापक राजेश कुमार त्रिपाठी से शिकायत की थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। 23 फरवरी को दोबारा लिखित शिकायत मिलने पर प्रधानाध्यापक ने बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को पत्र भेजकर विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की। मामला मीडिया में आने के बाद शिक्षा विभाग और पुलिस सक्रिय हुए। खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) दुबेपुर राम तीरथ वर्मा ने विद्यालय पहुंचकर परिजनों और प्रधानाध्यापक के बयान दर्ज किए और अपनी रिपोर्ट बीएसए को भेजी। कोतवाली देहात एसओ धर्मवीर सिंह ने पुष्टि की कि अभिभावक की तहरीर पर आरोपी शिक्षामित्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। गिरफ्तार शिक्षामित्र वत्सल प्रसाद मिश्रा की कार्यशैली पहले भी सवालों के घेरे में रही है। इससे पूर्व मिली एक शिकायत पर बीएसए उपेंद्र गुप्ता ने जांच कराई थी, जिसमें उनकी गतिविधियां संदिग्ध पाई गई थीं। 15 सितंबर 2025 को बीएसए ने उन्हें चेतावनी नोटिस जारी किया था। उस नोटिस में स्पष्ट कहा गया था कि यदि उनके कार्य व्यवहार में सुधार नहीं हुआ तो सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी। इसके बावजूद आरोप है कि उनके आचरण में अपेक्षित सुधार नहीं आया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 161 जोड़ों का हुआ विवाह

देवरिया, 26 फरवरी। समाज कल्याण विभाग की ओर से संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत राजकीय आईटीआई/केंद्रीय विद्यालय परिसर में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कुल 161 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया, जिनमें 154 हिंदू जोड़ों का वैदिक रीति-रिवाज से विवाह तथा 7 मुस्लिम जोड़ों का निकाह कराया गया। मुख्य अतिथि के रूप में देवरिया सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी देवरिया सदर सहित कई जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि योजना के तहत प्रति जोड़ा 1 लाख व्यय का प्रावधान है। इसमें 60 हजार कन्या के खाते में, 25 हजार की उपहार सामग्री तथा 15 हजार आयोजन पर खर्च किए जाते हैं।

मोहनलालगंज: PWD की सुस्ती से 'सफर' बना 'आफत', सिसेंडी-भागू खेड़ा मार्ग एक साल से बदहाल

● .....दो दर्जन गांवों की लाइफलाइन पर राहगीर हो रहे चोटिल; स्वतंत्र प्रभात संवाददाता की दूरभाष वार्ता के बाद जेई ने एक सप्ताह में काम शुरू कराने का दिया आश्वासन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आर0के0शुक्ला (विशेष संवाददाता)

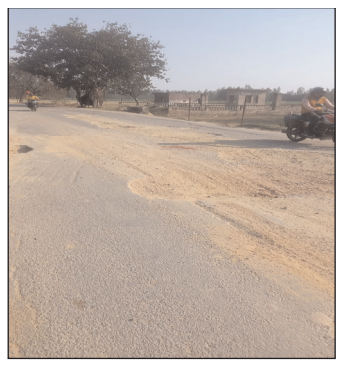

मोहनलालगंज, लखनऊ: राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग (PWD) की बड़ी लापरवाही का खामियाजा हजारों ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। सिसेंडी से भागू खेड़ा को जोड़ने वाला मुख्य सड़क मार्ग पिछले एक वर्ष से अधिक समय से पूरी तरह जर्जर हो चुका है। लगभग 6 किलोमीटर लंबे इस मार्ग की हालत इतनी खस्ता है कि यहाँ डामर का नामोनिशान मिट चुका है और सड़क गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई है। यह मार्ग क्षेत्र का एक बेहद व्यस्त रास्ता है, जिससे रोजाना दो दर्जन से अधिक गांवों के लोगों का आवागमन होता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क पर पत्थर उखड़ चुके हैं, जिसके कारण आए दिन राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं और वाहनों के कलपुर्जे भी जवाब दे रहे हैं। बदहाल सड़क के कारण 10 मिनट का सफर तय करने में लोगों को घंटों मशक्कत करनी पड़ रही है।

विभागीय उदासीनता और जनता की बढ़ती परेशानियों को देखते हुए जब स्वतंत्र प्रभात संवाददाता ने पीडब्ल्यूडी विभाग के संबंधित जूनियर इंजीनियर (जेई) यमुना प्रसाद तिवारी से दूरभाष पर वार्ता की, तो उन्होंने अपनी सफाई में बजट और अन्य तकनीकी कारणों का हवाला दिया। हालांकि, मामले की गंभीरता को देखते हुए जेई ने मौखिक रूप से आश्वासन दिया है कि उक्त सड़क मार्ग के निर्माण का कार्य एक सप्ताह के भीतर शुरू करा दिया जाएगा। अब देखना यह होगा कि विभाग अपने इस वादे पर खरा उतरता है या क्षेत्र की जनता को धूल और गड्ढों के बीच अभी और समय तक संघर्ष करना पड़ेगा।

फेक आईडी बनाकर महिला के रिश्तेदारों को भेजे,आपत्तिजनक संदेश

लालगंज (रायबरेली) द्वकोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर अज्ञात व्यक्ति पर उसकी फर्जी आईडी बनाकर आपत्तिजनक संदेश वायरल करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, आरोपी ने सोशल मीडिया पर उसकी फोटो लगाकर एक फेक आईडी बनाई और उससे जुड़े रिश्तेदारों को गलत व भ्रामक संदेश भेजने शुरू कर दिए। इस हरकत से परिवार की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। महिला का कहना है कि इस घटना के चलते उसकी ननद की शादी टूटने के कगार पर पहुंच गई है और घर में कलह का माहौल बन गया है। पीड़िता ने पुलिस से मामले की जांच कर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला अभी संज्ञान में नहीं है। जानकारी मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

होली से पहले एक्शन मोड में माल पुलिसः इंस्पेक्टर नवाब अहमद के नेतृत्व में पूरे क्षेत्र में फ्लैग मार्च, शरारती तत्वों को सख्त चेतावनी

● .....माल में होली को लेकर पुलिस का रूट मार्च, शांति व्यवस्था का दिया संदेश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

माल/लखनऊ। आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से माल पुलिस ने व्यापक स्तर पर रूट मार्च किया। थाना प्रभारी निरीक्षक नवाब अहमद के नेतृत्व में भारी पुलिस बल ने गुरुवार दोपहर थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बाइक से रूट मार्च निकाला। इस दौरान बाजारों, मुख्य चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और प्रमुख मार्गों पर विशेष सतर्कता बरती गई। पुलिस टीम ने भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों का भी भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। रूट मार्च के दौरान आमजन से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया और त्योहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई।

इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि होली पर्व को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। क्षेत्र में लगातार गश्त, चेकिंग और निगरानी की कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की शरारती गतिविधि या कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि त्योहार शांति और सद्भाव के साथ संपन्न हो सके।

मंडलायुक्त ने कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों का किया निरीक्षण

● पत्रावलियों के डिजिटलीकरण से प्रशासनिक कार्यों में गति आएगी व पारदर्शिता बढ़ेगी:- मंडलायुक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली:- मंडलायुक्त, लखनऊ मण्डल, लखनऊ विजय विश्वास पंत ने आज कलेक्ट्रेट में संयुक्त कार्यालय के विभिन्न पटलों का निरीक्षण कर कार्यालय की कार्यप्रणाली, अभिलेख संरक्षण, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति एवं शिकायत निस्तारण की समीक्षा की। मंडलायुक्त ने सर्वप्रथम संयुक्त कार्यालय में राजस्व सहायक (प्रथम), न्याय सहायक (द्वितीय), शिकायत प्रकोष्ठ, न्याय सहायक (द्वितीय), लेखाकार, डी0एल0आर0सी0, स्थापना, आंग्ल अभिलेखागार, डिस्पैच पटल का निरीक्षण कर पटल से सम्बन्धित कार्यो की गहन समीक्षा की गई व अभिलेखों के रख-रखाव को देखा गया। इसके पश्चात अभिलेखागार का निरीक्षण किया गया। मंडलायुक्त ने कार्यरत कार्मिकों की सेवा पुस्तिका का अवलोकन किया, जिसमें सभी कार्मिकों की सर्विस बुक अपडेट पायी गई। इसके पश्चात मंडलायुक्त ने सेवानिवृत्त व स्थानान्तरित कार्मिकों की पत्रावलियों का भी अवलोकन किया।

मंडलायुक्त ने पटलों के निरीक्षण में संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिये कि अभिलेखों एवं पत्रावलियों का रख-रखाव ठीक प्रकार करें और आवश्यक शासनादेशों को गाइट फाइल में रखें। शस्त्र अनुभाग के निरीक्षण में मंडलायुक्त ने कहा कि शस्त्र वरासत संबंधी सभी पत्रावलियों की जांच करायें और शस्त्र नवीनीकरण की प्रक्रिया समय पर निर्धारित करायें। उन्होंने कहा कि सभी पत्रावलियों का डिजिटलीकरण कराये और डिजिटलीकरण से न केवल प्रशासनिक कार्यो में गति आएगी, बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ेगी।

उन्होने सेवानिवृत्त कार्मिकों के देयों के भुगतान की स्थिति की जानकारी ली तथा निर्देश दिये कि सेवानिवृत्ति देयों अथवा एसीपी से संबंधित कोई भी प्रकरण लंबित न रखें। लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने व पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय जिलाधिकारी हर्षिता माथुर,अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा सहित सम्बन्धित अधिकारी व कलेक्ट्रेट कार्मिक उपस्थित रहें।

छात्रा की आत्महत्या का मामला, फैक्ट्री कर्मियों समेत दो नामजद पर मुकदमा दर्ज

लालगंज (रायबरेली): कोतवाली क्षेत्र के रणगांव में छात्रा की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने फैक्ट्री में काम करने वाले दो युवकों समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मृतका की मां की तहरीर पर कार्रवाई की गई है। परिजनों के अनुसार, घर के पास स्थित टेक्नो फैब फैक्ट्री में काम करने वाले सुमन उर्फ लंबू और मनजीत परिसर के अहाते में रहते हैं। आरोप है कि मंगलवार शाम महिला की गैरमौजूदगी में दोनों युवक घर पहुंचे और छात्रा के साथ मारपीट की। इसके बाद उसे जबरन करीब 500 मीटर दूर तालाब की ओर ले गए, जहां उसके साथ अभद्र व्यवहार किया गया।

बताया गया कि शोर सुनकर राहगीरों ने हस्तक्षेप किया और किसी तरह युवती को छुड़ाया। घटना की जानकारी महिला के पति ने फैक्ट्री मालिक को दी। मालिक ने आरोपियों को बुलाकर बात करने का आश्वासन दिया था। बुधवार दोपहर जब महिला किसी काम से बाहर गई थी, उसी दौरान युवती ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि कथित दुर्व्यवहार से आहत होकर उसने यह कदम उठाया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दो नामजद और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

मोहनलालगंज के इन्द्रजीत खेड़ा में गूंजी लोकगीतों की स्वर लहरियां, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बच्चों को मिला जागरूकता का संदेश

● .....सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अभियान के तहत भोजपुरी लोकगीत झंकार पार्टी ने सुरों के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं से कराया रूबरू।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा वर्तमान शासन की नीतियों, निर्णयों और जनहितकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से संचालित विशेष प्रचार अभियान के अंतर्गत गुरुवार को राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज स्थित प्राथमिक विद्यालय इन्द्रजीत खेड़ा में एक भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंजीकृत 'भोजपुरी लोकगीत झंकार पार्टी' के कुशल कलाकारों ने अपनी लोक कला और सांस्कृतिक प्रतिभा के माध्यम से विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। लोक गायक डॉ. लाल जी मौर्य ने अपने सहयोगी कलाकारों–शिव कुमार, मनीराम, सुखदेव और राजू पुरी–के साथ मिलकर शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित शिक्षाप्रद गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिससे पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो गया।

कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण गायकी के जरिए बच्चों को अनुशासन का पालन करने, नियमित शिक्षा ग्रहण करने और भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया, साथ ही सरकार द्वारा संचालित विकास कार्यों और उपलब्धियों का उल्लेख भी किया। कार्यक्रम में बच्चों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जहाँ उन्होंने विभिन्न विषयों पर कलाकारों से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाएं शांत कीं। विद्यालय की सहायक प्रधानाचार्य साधना, रसोइया सुमन, मंतीरा रावत, शिवप्यारी सिंह और बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि लोकगीतों जैसे पारंपरिक माध्यमों से दी गई जानकारी बच्चों के मानस पटल पर गहरी छाप छोड़ती है और उनमें नई ऊर्जा का संचार करती है।

दो बाइको की टक्कर में युवक की गई जान घर वालों ने डॉक्टरों पर लगाया आरोप, भाजपा विधायक भी पहुंचे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के थाना थानगांव क्षेत्र के रेतीपुरवा के निकट गुरुवार दोपहर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही और एम्बुलेंस न उपलब्ध कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार संवलिया गांव निवासी दिलीप पुत्र रामनरेश अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दिलीप गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दूसरी बाइक पर सवार दो युवक भी बुरी तरह जख्मी हो गए स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान दिलीप ने दम तोड़ दिया। दिलीप की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मृतक की मां मीना देवी ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि डॉक्टर द्वारा काफी देर तक इलाज शुरू नहीं किया गया। उनका आरोप है कि आवश्यक दवाइयां अस्पताल में उपलब्ध न होने के कारण बाहर से मंगवानी पड़ीं, जिस पर लगभग एक हजार रुपये खर्च हुए, बावजूद इसके उनके बेटे की जान नहीं बच सकी। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर पूरी घटना की जानकारी ली और तत्काल मुख्य चिकित्सा अधिकारी से फोन पर बात कर ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर नरेश के खिलाफ जांच कराने की मांग की। विधायक ने कहा कि यदि लापरवाही सामने आती है तो दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए वहीं पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी!!

शादी में गए दंपति के घर लाखों की चोरी, 8 लाख के जेवर व डेढ़ लाख नगद पार

● गेट के दो ताले तोड़कर घर में घुसे चोर, बच्चों के गुल्लक भी तोड़े; पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बरदाही कृष्णा नगर बाईपास मोहल्ले में बुधवार की रात अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। चोरों ने घर के मेन गेट का ताला तोड़कर अंदर रखे बक्सों व दीवान बेड से करीब आठ लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और डेढ़ लाख रुपये नगद पार कर दिए। मोहल्ला निवासी आढ़ती राजू अपनी पत्नी उर्मिला के साथ भोजपुर में एक रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गए थे। दोनों अपने बच्चों को मोहल्ले में ही उनकी नानी के घर छोड़ गए थे।

गुरुवार सुबह करीब सात बजे जब बच्चे नानी के घर से अपने घर पहुंचे तो मेन गेट में लगे दोनों ताले टूटे मिले। अंदर जाकर देखा तो कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। बक्सों के ताले टूटे हुए थे और दीवान बेड खंगाला गया था। बच्चों ने तत्काल फोन कर माता-पिता को घटना की जानकारी दी।

पीड़ित राजू ने बताया कि चोर घर से अंगूठी, मंगलसूत्र, हाफ पेटी, मांग टीका, बाल चोटी, पायल, सोने की टप्स सहित अन्य जेवरात और करीब डेढ़ लाख रुपये नगद ले गए। इतना ही नहीं, चोरों ने बच्चों के गुल्लक तक तोड़ डाले और उसमें रखी नगदी भी उठा ले गए। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि सूचना प्राप्त हुई है, मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया।

84 कोसी परिक्रमा करने के लिए दुर्गेश्वर नाथ मंदिर से रामादल हुआ रवाना

बिसवां सीतापुर 84 कोसी परिक्रमा करने को बिसवां के शेखसराय स्थित दुर्गेश्वर नाथ मंदिर से रामादल रवाना हुआ। गुरुवार की भोर में बाबा विश्वनाथ की धरती दुर्गेश्वर नाथ धाम से मंदिर में पूजा-पाठ कर धर्म ध्वजा के साथ जय श्री राम उद्घोष करते हुए श्रद्धालुओं ने परिक्रमा का शुभारंभ किया। इसमें नगर बिसवां के मोहल्ला शेखसराय निवासी प्रदीप शुक्ला, व्यास करन मौर्य, पंकज शुक्ला, मनोज शुक्ला, विशाल रस्तोगी, पप्पू शुक्ला, प्रभाष कुमार, यशराज शुक्ला, मीनू तिवारी, रामकिशोर शुक्ला, विशाल शुक्ला, डाक्टर प्रवीण अग्रवाल, नयन पाण्डेय, अंकुर शुक्ला, जीतू अवस्थी, बीनू, गोल्डी शुक्ला, डा. सुभाष, दिलीप शुक्ला, विष्णू मिश्रा सहित समस्त रामादल शामिल रहा।

युवक की हत्या में महिला सहित तीन लोग गिरफ़्तार, बकरी घर में घुसने के विवाद में हुई थी वारदात, लाठी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर जिले के रामकोट थाना क्षेत्र में बकरी के विवाद से शुरू हुई कहासुनी अब हत्या में बदल गई। पुलिस ने फरार चल रहे तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। मृतक के परिजनों ने आरोपी पकड़ने के लिए सड़क जाम कर हंगामा किया था। आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त लाठी भी बरामद की गई और तीनों को जेल भेज दिया गया जानकारी के अनुसार, 20 फरवरी 2026 को ग्राम रहीमपुर मढ़िया में बकरी के दूसरे पक्ष के घर चले जाने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई। यह झगड़ा मारपीट में बदल गया। इस दौरान प्रथम पक्ष के जगन्नाथ के पुत्र शत्रोहन गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल सीतापुर में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने उन्हें इलाज के लिए केजीएमयू रेफर कर दिया इलाज के दौरान 22 फरवरी 2026 को शत्रोहन की मृत्यु हो गई। प्रभारी निरीक्षक पीयूष सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त सौमेन्द्र पुत्र परमेश्वर, सतीश पुत्र परमेश्वर और अभियुक्ता संतोषी पत्नी सतीश, सभी निवासी ग्राम रहीमपुर मढ़िया हैं पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त एक अदद लाठी बरामद की गई है। लाठी मिलने के बाद मुकदमे में धारा 105 बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। गिरफ्तार अभियुक्तों को चालान कर जेल भेज दिया गया है!!

सपा में शामिल हुए दीनानाथ कुशवाहा, पीडीए को मजबूत करने का संकल्प

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

देवरिया। देवरिया सदर से दो बार विधायक रहे दीनानाथ कुशवाहा के समाजवादी पार्टी में शामिल होने पर रामपुर कारखाना क्षेत्र के डुमरी स्थित सपा जनसंपर्क कार्यालय में स्वागत कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने किया। चंद्रभूषण सिंह यादव ने माला व अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत करते हुए कहा कि दीनानाथ कुशवाहा पीडीए की अवधारणा से प्रेरित नेता हैं और उनके जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलेगी। दीनानाथ कुशवाहा ने कहा कि उनका लक्ष्य अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाना है। उन्होंने बेरोजगारी व महंगाई जैसे मुद्दों पर चिंता जताते हुए जनसमर्थन जुटाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ़ शिक्षकों का प्रदर्शन पीएम से छूट देने की मांग, सड़को पर उतरकर की नारेबाजी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में वर्ष 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) अनिवार्य किए जाने के विरोध में गुरुवार को जिले भर के शिक्षकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। टीईटी की अनिवार्यता को अन्यायपूर्ण बताया। शिक्षकों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना दिया और सड़कों पर उतरकर नारेबाजी की। जिलाधिकारी के माध्यम से पीएम मोदी ज्ञापन प्रेषित कर अध्यादेश लाकर छूट देने की मांग की। जिलाध्यक्ष रविंद्र कुमार दीक्षित का कहना है कि उत्तर प्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 को 27 जुलाई 2011 से लागू किया गया था। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, लागू होने की तिथि से अथवा उसके बाद नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य किया गया, जबकि उससे पहले नियुक्त सभी शिक्षकों को इस शर्त से मुक्त रखा गया था। वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों ने इसी नियम के तहत नियुक्ति और पदोन्नति प्राप्त की। शिक्षकों का कहना है कि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 1 सितंबर 2025 को दिए गए निर्णय के बाद देश के सभी राज्यों में टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए भी सेवा में बने रहने और पदोन्नति हेतु टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया गया है। शिक्षकों का आरोप है कि यह फैसला उनके साथ सरासर अन्याय है और उनके भविष्य को असुरक्षित करता है। प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों ने बताया कि इसी निर्णय के विरोध में देशभर में टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले आंदोलन चल रहा है। संगठन की मांग है कि भारत सरकार अध्यादेश लाकर टीईटी लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से स्थायी छूट प्रदान करे। धरने के दौरान शिक्षकों ने सरकार से अपील की कि वे मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए संसद के माध्यम से कानून पारित कर वर्षों से कार्यरत शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा करें शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा इस दौरान कलेक्ट्रेट में नायाब तहसीलदार महेंद्र तिवारी ने ज्ञापन लिया!

संक्षिप्त खबरें

विधायक ने प्रतिभावान छात्रों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र शोहरतगढ़ के कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय परसिया व पूर्व माध्यमिक विद्यालय भाद मुस्तहकम में गुरुवार को सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने पहुंचकर पूर्व के दिनों में आयोजित हुये खेल स्पर्धाओं के अंतर्गत विभिन्न खेलों में स्थान प्राप्त करने वाले तीनों विद्यालयों के छात्र - छात्राओं को मेडल, शील्ड व ग्यारह-ग्यारह हजार रुपये पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में असीम प्रतिभाएं छिपी हैं। अगर उन्हें सही प्रशिक्षण व मार्गदर्शन मिले तो वे क्षेत्र व समाज का नाम रोशन कर सकेंगें। विधायक ने खेल में रुचि वाले छात्र-छात्राओं को खेल संसाधन में सहयोग का भरोसा दिलाया। विधायक ने कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय लेदवा में कार्यरत शिक्षक को राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित होने पर बधाई दी और अंग वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान रामदास मौर्य, विजय गुप्ता, अनिल मिश्रा, विवेक कुमार, विजय पांडेय, प्रधानाचार्य अमरेश कुमार, सन्तोष कुमार, वार्डेन नीलम चतुर्वेदी, चैन कुमार , मुस्तन शेरुल्लाह (राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक) , पवन कुमार, सिद्धर्थ कुमार, नागेंद्र कुमार, मनमोहन, रेनू मद्देशिया, राकेश कुमार, प्रीती जायसवाल , मुस्तन शेरुल्लाह, मृदुलेश, रुबी यादव, रंजना, सरिता, चन्दा, रागिनी, सुनीता, शकुंतला, प्रदीप उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

दि सेक्सरिया बिसवां शुगर फैक्ट्री लिमिटेड द्वारा मिल क्षेत्र में बसंत कालीन गन्ना बुवाई को लेकर किसानों को किया गया जागरूक

बसंतकालीन गन्ना बुवाई पर वृहद किसान गोष्ठी

बिसवां सीतापुर दि सेक्सरिया बिसवां शुगर फैक्ट्री लिमिटेड द्वारा मिल क्षेत्र में बसंतकालीन गन्ना बुवाई को लेकर किसानों को जागरूक करने हेतु वृहद किसान गोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सर्किल सांडा के ग्राम बोहरा भवानीपुर व सरैया मिर्ज़ापुर में गोष्ठी संपन्न हुई। चीनी मिल के महाप्रबंधक डॉ. अनूप कुमार ने किसानों को गन्ना बुवाई विधि, भूमि उपचार, ट्रेंच विधि, दो आंख के टुकड़े काटने, उन्नत प्रजातियों के चयन तथा सह फसल के रूप में मूंग-उड़द की बुवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गन्ना निश्चित मूल्य वाली फसल है, जिसे वैज्ञानिक तरीके से उगाकर उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने को 15023, को 0118, 13235, 17231 तथा जलभराव में को 98014 प्रजातियों की बुवाई की सलाह दी। साथ ही मृदा जांच के आधार पर उर्वरक प्रयोग, सनई-डेंचा को हरी खाद के रूप में पलटने, गोबर की सड़ी खाद, प्रेसमड व कंपोस्ट के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि 'मृदा उर्वरता ही उत्पादकता की कुंजी है। 'कार्यक्रम में चीनी मिल के प्रबंधक विमल मिश्रा, वरिष्ठ गन्ना विकास अधिकारी प्रभात कुमार सिंह तथा क्षेत्रीय राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

पुलिस की कार्रवाई में 12 वाहन सीज, 136 का ई चालान

देवरिया, 26 फरवरी। जनपद भर में मिशन शक्ति फेज-5.0 और शक्ति दीदी अभियान के तहत व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीमों ने नगवा खास, भाटपाररानी सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, स्वावलंबन और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, सीएम हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930 समेत अन्य आपात सेवाओं के बारे में पम्पलेट वितरित कर जागरूक किया गया। वहीं अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बनकटा पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की। आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है। उधर, यातायात पुलिस ने शहर क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाकर 136 वाहनों का ई-चालान किया और 12 वाहनों को सीज किया। बिना फिटनेस, लाइसेंस और अवैध पार्किंग करने वालों पर कार्रवाई की गई।

बलिया में STF-पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 471 पेटी अवैध शराब बरामद; तीन तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (STF) और बैरिया थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 471 पेटी अवैध शराब जब्त की है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 23 लाख रुपये बताई जा रही है। मौके से तीन तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जयप्रकाश नगर के भवन टोला बंधे के रास्ते दो पिकअप वाहनों में शराब भरकर उसे नदी के रास्ते नाव से बिहार भेजने की तैयारी है। सूचना के आधार पर उपनिरीक्षक फैजुद्दीन सिद्दिकी (STF) और प्रभारी निरीक्षक बैरिया राजेंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम भवन टोला बंधे से पहले ही घेराबंदी कर पिकअप वाहनों का इंतजार करने लगी।

कुछ ही देर बाद एक के पीछे एक दो पिकअप वाहन भवन टोला बंधे की ओर जाते दिखाई दिए। पुलिस ने तत्काल पीछा किया। आगे रास्ता बंद देख वाहन चालकों ने गाड़ी रोक दी और उसमें सवार लोग भागने लगे, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को दबोच लिया।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान धर्मजीत भारती (निवासी हुसैनाबाद बांसडीह), करन कुमार शाह (निवासी बैरिया) और पिंटू प्रसाद (निवासी बहादुरपुर, कोतवाली बलिया) के रूप में हुई है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब बैरिया स्थित गोदाम से लाई गई थी और इसे नाव के जरिए बिहार भेजा जाना था। पुलिस ने दोनों पिकअप वाहनों की तलाशी में विभिन्न ब्रांडों की कुल 471 पेटी शराब बरामद की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा दोनों पिकअप वाहनों को भी जब्त कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

श्री श्याम फागुन सतरंगी निशान उत्सव यात्रा का आयोजन हुआ संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर) आस्था, उत्साह और भक्ति के अद्भुत संगम के साथ श्री श्याम फागुन सतरंगी निशान उत्सव यात्रा का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। 'जय श्री श्याम' और 'जय सालासर बालाजी' के जयघोष से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में रंग गया। निशान यात्रा हनुमान मंदिर शुगर फैक्ट्री से प्रारंभ हुई। इससे पूर्व बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी चीनी मिल हनुमान मंदिर परिसर में एकत्रित हुए। विधि-विधान से पूजा-अर्चना के उपरांत यात्रा प्रारंभ की गई। यात्रा निर्धारित मार्ग से होकर गुजरी, जिसमें शुगर फैक्ट्री मुख्य द्वार, मिस्टरगंज, तहसील, बड़ा चौराहा, पत्थर शिवाला, कोतवाली चौराहा होते हुए श्रद्धालु श्री खाटू श्याम मंदिर, बिसवां पहुँचे। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। निशान यात्रा में सबसे आगे बालाजी एवं श्याम बाबा का मुख्य निशान रहा। श्याम भक्त भक्ति भाव से चलते हुए श्याम बाबा के जयकारे लगाते रहे।

पूरे मार्ग में भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। यात्रा के समापन पर मंदिर में आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। श्रद्धालुओं की भारी उपस्थित उत्सव को अत्यंत भव्य और सफल बना दिया। निशान यात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक सुरेंद्र जी शिवकुमार खेतान मुकेश खेतान मनीष खेतान संतोष गुप्ता महानारायण वर्मा मयूर वर्मा नरेश खेतान सचिन गुप्ता लकी सरदार अंकित धवन अमित नौसरिया प्रतीक अग्रवाल डॉ विमल गुप्ता जय सिंह अनुपम अग्रवाल अनिल रस्तोगी अनूप श्रीवास्तव सहित सैकड़ो की संख्या में श्याम भक्त उपस्थित रहे।

जिला एकीकरण समिति की बैठक आज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
स्वतंत्र प्रभात
www.swatantraprabhat.com
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

देवरिया। जिला एकीकरण समिति की बैठक आयोजित की गयी है। यह जानकारी मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष की अध्यक्षता में दोपहर 12 बजे गांधी सभागार, विकास भवन में संपन्न होगी। बैठक में समिति से जुड़े जनपद के माननीय सदस्य भाग लेंगे। स्थानीय समाज में आपसी एकता को मजबूत बनाने, साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने तथा सामाजिक सद्भाव को प्रोत्साहित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। सदस्यों द्वारा सुझाव प्रस्तुत किए जाएंगे और उनके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर रणनीति तय की जाएगी। प्रशासन की ओर से सभी संबंधित सदस्यों से समय पर उपस्थित होकर रचनात्मक सुझाव देने का अनुरोध किया गया है, ताकि जनपद में शांति, एकता और भाईचारे का वातावरण सुदृढ़ हो सके।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति "दिशा" की बैठक सम्पन्न

● जनप्रतिनिधियों की शिकायतों एवं प्रस्तावों को गम्भीरता से लेकर निस्तारण करायें-सांसद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ''दिशा'' की बैठक विकास भवन के सभागार में सांसद प्रतापगढ़ डा0 शिवपाल सिंह पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें सांसद कौशाम्बी पुष्पेन्द्र सरोज, विधायक रानीगंज डा0 आरके वर्मा, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, विधायक पट्टी राम सिंह पटेल, जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय तिवारी, राज्यसभा सांसद अमर पाल मौर्य के प्रतिनिधि राय साहब सिंह, एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह के प्रतिनिधि अनिल कुमार सिंह 'लाल साहब', एमएलसी प्रतिनिधि शिक्षक विधायक के प्रतिनिधि अभिमन्यु सिंह, विधायक सदर के प्रतिनिधि अरूण कुमार मौर्य, एमएलसी डा0 महेन्द्र सिंह के प्रतिनिधि दिनेश शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल विक्रम सिंह, डीसी मनरेगा सन्तोष कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, ब्लाक प्रमुख व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव ने पूर्व दिशा की बैठक में जनप्रतिनिधियों के उठाये के मुद्दों सुझावों पर की गयी कार्यवाहियों के महत्वपूर्ण बिन्दुओं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना, दीनदयाल अन्त्योदय योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायत कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) कार्यक्रम, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सर्व शिक्षा अभियान, दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना आदि के सम्बन्ध में अनुपालन आख्या व की गयी कार्यवाही के सम्बन्ध मे जानकारी दी गयी।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना में चर्चा के दौरान विधायक रानीगंज व विधायक विश्वनाथगंज द्वारा अमृत सरोवरो में पानी के जल भराव का प्रकरण उठाया गया है और अमृत सरोवर/तालाब को कैनाल से जोड़ने की बात कहीं गयी जिससे अमृत सरोवरो में पानी की उपलब्धता रहे जिस पर डीसी मनरेगा ने बताया कि हर एक ग्राम पंचायत के तालाब/अमृत सरोवरों में आगामी महीनो में पानी रहेगा जिससे पशु-पक्षियों को गर्मी में पानी की सुविधा मिल सके। ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग द्वारा त्वरित आर्थिक विकास योजनान्तर्गत विकास खण्ड सण्ड़वा चन्द्रिका के ग्राम नेवादा गौराडाड़ में 530 मीटर में गतवर्ष निर्मित इण्टरलाकिंग सड़क को लोक निर्माण विभाग द्वारा बिना एनओसी प्राप्त किये निर्माण के एक वर्ष पश्चात् ही इण्टरलाकिंग ईंट हटाकर लेपन कार्य करा दिया गया। इस प्रकरण पर सम्बन्धित ठेकेदार व कार्मिक के विरूद्ध अभी तक कोई कार्यवाही न किये जाने का मुद्दा विधायक विश्वनाथगंज द्वारा उठाया गया, जिस पर सांसद ने नाराजगी व्यक्त की और जिलाधिकारी से कहा कि यदि निर्माण खण्ड-2 के अधिशासी अभियन्ता द्वारा दो दिन के अन्दर ठेकेदार के विरूद्ध कार्रवाई नहीं करते है तो सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाय। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के सम्बन्ध में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि कोई भी गरीब पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे, इसका विशेष ध्यान दिया जाय और जो आवास की सूची प्राप्त होती है उसकी जांच अलग से अधिकारियों द्वारा करायी जाय जिससे अपात्र व्यक्ति को योजना का लाभ न मिल पाये। विकास खण्ड लक्ष्मणपुर के हैदरपुर व सण्ड़वा दुबान के मुसहर बस्ती में अभी तक लोगो को आवास न मिलने के प्रकरण में सांसद द्वारा निर्देशित किया गया कि मुहसर बस्ती में जिन लोगों के पास जमीन उपलब्ध है उन्हें आवास का लाभ दिया जाय और जिनके पास जमीन नहीं है उन्हें आवासीय पट्टा दिलाकर उन्हें भी आवास योजना का लाभ मुहैया कराया जाय। दैवीय आपदा से प्रभावित पात्र व्यक्तियों को मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाय। राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल योजनाओं पर चर्चा के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा मुद्दा उठाया गया कि पाइप लाइन बिछाते समय सड़कों को क्षतिग्रस्त कर दिया जाता है लेकिन मरम्मत नहीं करायी जाती जिस पर अधिशासी अभियन्ता जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि जल्द ही क्षतिग्रस्त सड़को को मरम्मत करा दिया जायेगा।सांसद प्रतापगढ़ ने कहा कि जिन गांवों में खारा पानी की समस्या आ रही है उनके लिये शुद्ध पेयजल हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाय। जनप्रतिनिधियों ने बैठक में प्राथमिक विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन, विद्यालयों के ऊपर से गुजरे हाईटेंशन तार हटवाने, सड़क और शुद्ध पानी का मुद्दा उठाया जिस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि विद्यालयों में विद्युत कनेक्शन व हाईटेंशन तार

हटवाने हेतु विद्युत विभाग को पैसा दिया जा चुका है और अधिकांश स्कूलों में विद्युत कनेक्शन व हाईटेंशन तार हटाये जा चुके है और शेष पर जल्द ही कार्य पूर्ण हो जायेगा। विधायक विश्वनाथगंज द्वारा आगामी गर्मी के दृष्टिगत ट्रान्सफार्मरों के ओवरलोडिंग का मुद्दा उठाते हुये कहा कि समय रहते अधिक क्षमता के ट्रान्सफार्मर लगा दिये जाय नहीं तो आमजनमानस को कठिनाईयों का सामना उठाना पड़ेगा,जिस पर अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया गया कि समय रहते जांच कराकर ट्रान्सफार्मरों की क्षमता में वृद्धि की जाय। सांसद कौशाम्बी ने कहा कि बच्चो के पढ़ाई के समय ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली काट दी जाती है जिससे बच्चों को पढ़ने आदि कार्यो में कठिनाई होती है, जिस पर अधीक्षण अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया कि गया कि बच्चो के पढ़ाई के समय बिजली आपूर्ति का विशेष ध्यान रखा जाय। बैठक में विधायक रानीगंज द्वारा बताया गया कि कुसुवापुर, कटरा गुलाब सिंह व गौरा स्वास्थ्य केन्द्र काफी जर्जर स्थिति में है जिससे अप्रिय घटना कभी भी घट सकती है जिस पर सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जल्द ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करायी जाय। इसी प्रकार जनप्रतिनिधियों द्वारा मानधाता के गंभीरा में पुलिया, नहरों की सफाई, रामदेवपट्टी के नाला पर पुलिया का कार्य कराये जाने का मुद्दा उठाया गया, जिस पर सम्बन्धित अधिकारियों को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। विधायक सदर प्रतिनिधि द्वारा दो मुहा नाले पर पुलिया बनी है जिसके दोनो तरफ रास्ता नही है, जिससे लोगों को समस्यायो को सामना करना पड़ता है जिस पर सम्बन्धित अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि बिना भूमि अधिग्रहण किये रास्ता बन पाना सम्भव नहीं है।

दिशा की बैठक में अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी-अपनी समस्याओं के सम्बन्ध में अवगत कराया। सांसद ने कहा कि दिशा की बैठक बहुत ही सौहार्द वातावरण में सम्पन्न हुई इसके लिये जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक में जिलाधिकारी ने सांसद/अध्यक्ष को आश्वस्त करते हुये कहा कि जनप्रतिनधियों द्वारा जो भी दिशा निर्देश व शिकायतें प्राप्त हुई है उसका सम्बन्धित अधिकारी शत् प्रतिशत निर्वहन करेगें।

नागरिक पुलिस का बड़े पैमाने पर तबादले, कई चौकी इंचार्ज व थानाध्यक्ष बदले

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने तत्काल प्रभाव से कई उपनिरीक्षकों, निरीक्षकों व अन्य पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण किया है। जारी आदेश के अनुसार उप निरीक्षक आशीष राय को चौकी प्रभारी श्रीरामपुर तथा उप निरीक्षक मनीष सिंह को भुजौली चौकी, उप निरीक्षक राघवेन्द्र सिंह को कपरवार और उप निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार को रामपुर बुजुर्ग स्थानांतरित किया गया है।

इसी क्रम में उप निरीक्षक जय सिंह यादव को चौकी प्रभारी भिंगारी बाजार, अनित कुमार राय को चौकी प्रभारी सिविल लाइन, अजय कुमार तिवारी को चौकी प्रभारी क़स्बा भटनी, प्रमोद कुमार को थाना भटनी, इन्द्रेश कुमार को चौकी प्रभारी मझौली राज व सुशांत कुमार सिंह को चौकी प्रभारी सेंटर में नई तैनाती दी गई है। हेड कांस्टेबल इन्द्रजीत कुमार, मुकेश कुमार शाह तथा कांस्टेबल सोनू कुमार, संगीता सिंह, जयदीप दूबे व संग्राम यादव के भी तबादले किए गए हैं। वहीं निरीक्षक स्तर पर राहुल सिंह को प्रभारी निरीक्षक सुरौली से खुखुन्दू, दिनेश कुमार मिश्र को थानाध्यक्ष खुखुन्दू से सलेमपुर तथा महेन्द्र कुमार चतुर्वेदी को सलेमपुर से प्रभारी मीडिया सेल बनाया गया है। अविनाश मौर्य को कोतवाली से एसएसआई सुरौली नियुक्त किया गया है। इन तबादलों को प्रशासनिक कसावट और कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राजस्थान में नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म, हत्या

● सुल्तानपुर में दोषियों पर कार्रवाई, पीड़ित परिवार को न्याय की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राजस्थान के बीकानेर जिले में एक नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म और हत्या के मामले में सुल्तानपुर में प्रदर्शन हुआ। महापद्मनंद वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। संगठन ने मुख्यमंत्री राजस्थान को संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि बीकानेर जिले की बज्जू तहसील के रणजीतपुरा गांव निवासी देवीलाल सैन की नाबालिग बेटी कु. वसुंधरा सैन, जो कक्षा आठवीं की छात्रा थी, 21 फरवरी 2026 को बोर्ड परीक्षा देने घर से निकली थी। दुर्भाग्यवश, उसके साथ जघन्य दुष्कर्म किया गया और फिर निर्मम हत्या कर दी गई। इस घटना ने न केवल सैन समाज बल्कि पूरे प्रदेश और राष्ट्र को झकझोर दिया है। महापद्मनंद वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (MWO) सुल्तानपुर (उ.प्र.) सहित समस्त नाई, सेन, सविता समाज की ओर से मांग की गई है कि इस प्रकरण की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच कर दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए।

संगठन ने मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने और दोष सिद्ध होने पर कठोरतम दंड दिलाने की अपील की है। इसके अतिरिक्त, पीड़ित परिवार को न्यूनतम 1 करोड़ रुपये का आर्थिक मुआवजा प्रदान करने की भी मांग की गई है। परिवार के एक सदस्य को शासकीय सेवा में नियुक्ति देने और प्रदेश में बालिकाओं की सुरक्षा के लिए ठोस एवं प्रभावी नीतिगत कदम उठाने की मांग की गई है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन में विश्वास व्यक्त किया गया है कि राज्य सरकार न्याय, संवेदनशीलता और संविधान के तहत समस्त कार्यवाही करते हुए पीड़ित परिवार को न्याय दिलाएगी। ज्ञापन जिलाध्यक्ष हनुमान प्रसाद शर्मा द्वारा सौंपा गया।

कृष्ण स्वरूप अग्रवाल सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छात्राओं ने किया शैक्षिक भ्रमण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर कृष्ण स्वरूप अग्रवाल सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, बिसवां सीतापुर की छात्राओं ने शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत उत्तर प्रदेश विधानसभा एवं राजभवन, लखनऊ का शैक्षिक भ्रमण किया। इस अवसर पर छात्राओं ने राज्य की प्रशासनिक एवं संवैधानिक व्यवस्थाओं को निकट से समझा।

विधानसभा भ्रमण विधानसभा परिसर में छात्राओं ने पुस्तकालय, विधानसभा कक्ष (Assembly Hall), संग्रहालय (Museum) तथा डिजिटल गैलरी का अवलोकन किया। डिजिटल गैलरी के माध्यम से छात्राओं ने 1857 की क्रांति, उत्तर प्रदेश विधानसभा के इतिहास एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। भ्रमण के दौरान उत्तर प्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष सतीश माहना जी ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने सदन की कार्यप्रणाली एवं निष्पक्ष निर्णय प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। बच्चों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने बताया कि बहस के दौरान अध्यक्ष दोनों पक्षों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनकर निष्पक्ष निर्णय लेते हैं।

राजभवन भ्रमण इसके पश्चात छात्राओं ने राज भवन का भ्रमण किया। राजभवन परिसर अत्यंत सुंदर, सुव्यवस्थित एवं हरियाली से परिपूर्ण है। छात्राओं ने वहाँ स्थित पंचतंत्र पार्क का विशेष रूप से अवलोकन किया। पंचतंत्र पार्क में पंचतंत्र की कहानियों पर आधारित आकर्षक मूर्तियाँ एवं दृश्य सजाए गए हैं, जिनसे नैतिक शिक्षा का संदेश मिलता है। इसके अतिरिक्त वहाँ सुंदर उद्यान, ऐतिहासिक भवन, कलात्मक संरचनाएँ एवं विभिन्न प्रेरणादायक प्रदर्शित सामग्री भी देखी गई। राजभवन की भव्यता, स्वच्छता और अनुशासन ने छात्राओं को अत्यंत प्रभावित किया। इस भ्रमण से छात्राओं को राज्यपाल की भूमिका, कर्तव्यों तथा शासन प्रणाली की जानकारी प्राप्त हुई।

यह शैक्षिक भ्रमण छात्राओं के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं स्मरणीय रहा। विद्यालय परिवार ने इस सफल आयोजन हेतु संबंधित अधिकारियों एवं मार्गदर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ग्रामीणों ने किया हॉटमिक्स प्लांट का विरोध,एसडीएम तथा डीएम को लिखा पत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के छावनी थाना क्षेत्र के ग्राम मल्लूपुर और घोरसाएँ के ग्रामीणों ने एक दबंग ठीकेदार के द्वारा अवैध रुप से आबादी के करीब लगाये जा रहे हॉटमिक्स प्लांट का उच्चाधिकारीयों को पत्र भेज कर विरोध किया है। बताते चले की घोरसाए ग्राम के शिव मंदिर के पास शंकरपुर निवासी रेनू सिंह पत्नी ठीकेदार महेंद्र प्रताप सिंह ने मल्लूपुर निवासी अमरनाथ मिश्रा के खेत को चार वर्ष के लिए प्लांट लगाने के लिए लीज पर लिया है, खेत की सफाई करके ठीकेदार के द्वारा प्लांट की मशीने भी मोके पर पहुंच गयी है, लेकिन ग्रामीणों के जबरदस्त विरोध के चलते मिक्स प्लांट शुरू नहीं हो पा रहा है, ग्राम प्रधान विभा मिश्रा ने भी अपने लेटर पैड पर उप जिलाधिकारी को पत्र लिख कर कहा है की उक्त प्लांट पूरी तरह से अवैध है, इसकी स्थापना से मानव और फसल दोनों को नुकसान पहुंचेगा, प्लांट से निकलने वाला धुँवा बच्चों, बुजुर्गो और पशुओ के लिए हानिकारक सावित होगा, जानकारों के अनुसार खेती की जमीन को प्लांट लगाने के लिए नहीं दिया जा सकता,ग्रामीण गुड्डू मिश्रा, फौजदार मिश्रा, सियाराम मिश्रा, ध्रुव मिश्रा, काशीराम, संजय, कलावती, सुशील मिश्रा, प्रेरक मिश्रा,राकेश कुमार, बृजलाल आदि का कहना है की प्लांट से पचास मीटर से कम की दुरी पर महादेव का मंदिर, और तालाब दोनों है, इसके 200 मीटर के आसपास लोगों के मकान भी बने है जबकि प्लांट इस प्रकार के लोकेशन में लगाया जाना कानूनन गलत है, ग्रामीण कहते है की यहां प्लांट लगने से शराब पीने वालों का भी जमावड़ा होगा, किसी भी कीमत पर प्लांट नही लगने दिया जायेगा, जरूरत पड़ने पर उच्च न्यायलय का भी दरवाजा खटखटाया जायेगा।

पुलिस अधीक्षक ने बनकटा थाने का किया वार्षिक निरीक्षण

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने बुधवार को बनकटा थाने का वार्षिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, अभिलेख, मालखाना, हवालात, आरक्षी बैरक, भोजनालय, शस्त्रागार, महिला सहायता कक्ष, बीट सूचना व आगंतुक रजिस्टर सहित मिशन शक्ति केंद्र की स्थिति की समीक्षा की। एसपी ने थानाध्यक्ष व पुलिसकर्मियों को साफ-सफाई, अभिलेखों के अद्यतन रख-रखाव, अपराध नियंत्रण और महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। लंबित विवेचनाओं, वारंटों और जनशिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर देते हुए समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण जांच को कहा। कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए नियमित गश्त, संदिग्धों की निगरानी और ग्राम चौपाल के माध्यम से जनसंवाद बढ़ाने के निर्देश दिए। इस दौरान अंशुमन श्रीवास्तव व दिनेश कुमार मौर्य मौजूद रहे।

बस्ती जिले में चोरी की कई घटनाओं का खुलासा, 6 गिरफ्तार

बस्ती। बस्तीजिले केथाना नगर क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए 06 शातिर चोरों (एक बाल अपचारी सहित) को गिरफ्तार किया है। संयुक्त कार्रवाई थाना नगर पुलिस व एसओजी टीम द्वारा की गई। चोरी गया शत-प्रतिशत सामान बरामद कर लिया गया है। साथ ही 04 मोटरसाइकिलें (तीन चोरी की व एक घटना में प्रयुक्त) भी बरामद की गई हैं। जानकारी देते हुए एसपी डॉ यशवीर सिंह ने बताया कि 03 फरवरी एवं 23 फरवरी को थाना नगर क्षेत्र में किराना, बिल्डिंग मटेरियल और कपड़ों की दुकानों में चोरी की घटनाएं दर्ज हुई थीं। खुलासे के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। गिरफ्तार आरोपी वीरेन्द्र कुमार पुत्र रामनाथ (22 वर्ष), जनपद बस्ती, शुभम सोनी पुत्र रग्घू प्रसाद सोनी,राज सोनकर पुत्र रामगोपाल सोनकर, राहुल यादव पुत्र रामशंकर यादव (25 वर्ष), विकास कुमार गौतम पुत्र दिलीप कुमार गौतम, एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर खुलासा किया गया। 5 फरवरी को मुखबिर की सूचना पर दोफड़ा क्षेत्र से वीरेन्द्र कुमार व एक बाल अपचारी को पकड़ा गया। उनकी निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद हुआ। पूछताछ में अन्य साथियों के नाम सामने आए, जिसके बाद क्रमशः शुभम सोनी, राज सोनकर, राहुल यादव और विकास कुमार गौतम को गिरफ्तार किया गया। गिरोह पहले मोटरसाइकिल चोरी करता था, फिर उन्हीं वाहनों से दिन में रेकी कर रात में दुकानों में सेंधमारी करता था। चोरी का माल आपस में बांट लिया जाता था। बरामद सामान मे 04 मोटरसाइकिल, कपड़े, कॉस्मेटिक, बैटरी, इन्वर्टर व किराना सामान,नगद 2850, एक अवैध चाकू, चोरी के उपकरण आदि बरामद किया गया। एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने सराहनीय कार्य के लिए पुलिस टीम को ?10,000 पुरस्कार देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि जिले में अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।